Website : www.mantrabharat.com
जुनून है सच लिखने का
E-Mail : mantrabharatmumbai@gmail.com, Mo. 7007837917

संस्करण : मुंबई
वर्ष : 10
अंक : 287
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
गुरूवार, 23 अक्टूबर, 2025

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

मुंबई, लखनऊ, प्रयागराज एवं ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित एवं ठाणे, नवी मुम्बई, पालघर, नासिक एवं पुणे से प्रसारित

3 शनिवारवाड़ा में नमाज़-गोमूत्र विवाद पर ...
4 बिहार में भाजपा ने यादव उम्मीदवारों की ...
7 महिला विश्व कप में पाकिस्तान की करारी ...

संक्षिप्त न्यूज

पीएम मोदी ने अमित शाह को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं, आंतरिक सुरक्षा में उनके योगदान को सराहा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को उनके जन्मदिन पर बधाई दी। साथ ही देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत बनाने में उनके योगदान की सराहना की। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि गृह मंत्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। वे जनसेवा के प्रति अपनी निष्ठा और मेहनती स्वभाव के लिए व्यापक रूप से प्रशंसित हैं। पीएम मोदी ने लिखा कि भारत की आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने और हर भारतीय को सुरक्षित व गरिमापूर्ण जीवन देने के लिए उन्होंने सराहनीय प्रयास किए हैं। उनके लंबे और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। बता दें कि अमित शाह को एक कुशल संगठनकर्ता और चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। वे प्रधानमंत्री मोदी के सबसे करीबी सहयोगियों में गिने जाते हैं।

मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को 61वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और राज्य में शांति और एकता को बढ़ावा देने में उनके योगदान के लिए आभार जताया। एन बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। देश के प्रति आपकी अटूट निष्ठा करोड़ों लोगों को प्रेरित करती है।

उन्होंने आगे कहा कि मणिपुर हमेशा आपके मजबूत समर्थन के लिए आभारी रहेगा, खासकर हमारे कठिन समय में आपने जिस तरह से विभिन्न समुदायों के बीच शांति और एकता को बढ़ावा दिया, वह सराहनीय है।

पीएम की रैलियों को सफल बनाने में जुटी भाजपा, बदलेगी बिहार की चुनावी फिजा

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल 23 अक्तूबर से बिहार में चुनावी जनसभाओं की शुरुआत करेंगे। पीएम मोदी भाजपा के सबसे बड़े नेता हैं और उनकी चुनावी रैलियों से पूरी चुनावी हवा बदलती रही है। इसे देखते हुए भाजपा ने पीएम की रैलियों को सफल बनाने में पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी के चुनाव प्रभारी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के साथ बिहार भाजपा की टीम ने इन जनसभाओं को सफल बनाने की जिम्मेदारी संभाली है। पीएम की हर जनसभा से आसपास की लगभग एक दर्जन विधानसभा सीटों पर असर पड़ने की संभावना है। लिहाजा हर रैली में आसपास के इलाकों से लोगों को लाकर जनसभाओं को सफल बनाने की रणनीति अपनाई गई है।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, पीएम की रैलियों को लगाने में दो अहम कारकों पर ध्यान दिया गया है। पहला पार्टी जिन क्षेत्रों में अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है, उनमें पीएम की जनसभाएं कराकर पार्टी की पकड़ मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। लेकिन इसके साथ-साथ जिन क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ बेहतर है, वहां पीएम की जनसभाओं से आम जनता और पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने की योजना है।

पीएम की रैलियों में भारी संख्या में लोगों के पहुंचने के लिए पूरा इंतजाम किया गया है। पार्टी ने हर जनसभा के लिए सैकड़ों की संख्या में बसें लगाकर लोगों को रैली स्थल तक पहुंचाने की योजना बनाई है। जिस क्षेत्र में पीएम की रैली होगी, उनके आसपास के प्रत्याशी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच पर उपस्थित रह सकते हैं। पीएम जनता से उन प्रत्याशियों को जिताने की अपील करेंगे। ऐसे में इन सभी प्रत्याशियों के विधानसभा क्षेत्रों से भारी संख्या में लोगों को लाकर जनसभाओं को सफल बनाने की रणनीति अपनाई गई है।

पीएम की रैलियों का पूरा कार्यक्रम कब, कहां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार में पहली जनसभा 23 अक्तूबर को करेंगे। इस दिन वे सासाराम, गया और भागलपुर में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद 28 अक्तूबर को भी वे दरभंगा, मुजफ्फरपुर और पटना में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे। इसी तरह एक नवंबर को छपरा, पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर में और तीन नवंबर को पश्चिमी चंपारण, सहरसा और अररिया में मोदी जनता को संबोधित करेंगे।

अमित शाह भी मैदान में

पीएम की तरह गृह मंत्री अमित शाह भी इस दौरान बिहार में चुनावी दौरे पर होंगे। हालांकि, वे लगातार बिहार में चुनावी कार्यक्रमों में हिस्सा ले रहे हैं। लेकिन 23 अक्तूबर को वे एक बार फिर बिहार पहुंचेंगे और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं-कार्यकर्ताओं से राज्य के चुनावी हालात पर बातचीत करेंगे। 24 अक्तूबर को वे सीवान और बक्सर में जनसभा करेंगे। 25 अक्तूबर को गृह मंत्री शाह नालंदा, मुंगेर और खगड़िया में तीन जनसभाओं को संबोधित करेंगे।

दूसरे नेता संभालेंगे ये जिम्मेदारी

पीएम मोदी के साथ-साथ भाजपा ने जिन 40 स्टार प्रचारकों की सूची चुनाव आयोग को सौंपी है, उनमें दूसरे नेता भी अपने-अपने कार्यक्रमों के अनुसार चुनाव प्रचार में उतरेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, हेमंत बिस्व सरमा, देवेंद्र फडणवीस और रेखा गुप्ता की रैलियों को उन इलाकों में लगाया जाएगा जहां वे पार्टी के लिए प्रभावी हो सकते हैं। इसके अलावा गायक मनोज तिवारी और निरहुआ के कार्यक्रम लगाकर जनता को एनडीए गठबंधन के पक्ष में मतदान कराने की अपील की जाएगी।

राष्ट्रपति मुर्मू के हेलीकॉप्टर के पहिये कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड पर गड्ढे में फंसे

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सबरीमला ले जा रहे हेलीकॉप्टर के पहिये बुधवार सुबह यहां प्रमदम स्थित राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में उतरते समय कंक्रीट के नवनिर्मित हेलीपैड पर गड्ढे में फंस गए।

राष्ट्रपति के सड़क मार्ग से पंबा के लिए रवाना होने के बाद टीवी चैनलों पर दिखाए गए दृश्यों में कई पुलिसकर्मी और अग्निशमन बल के जवान हेलीकॉप्टर के पहियों को छोटे-छोटे गड्ढों से धक्के देकर बाहर निकालते हुए दिखाई दिए।

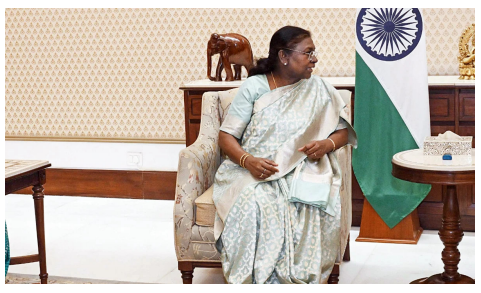

हेलीकॉप्टर के हेलीपैड पर उतरने के बाद ये गड्ढे बन गए। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आखिरी समय में हेलीकॉप्टर उतारने के लिए स्टेडियम को चुना गया था और इसलिए मंगलवार देर रात वहां हेलीपैड बनाया गया। पहले विमान को पंबा के समीप निलक्कल में उतारने की योजना बनायी गयी थी लेकिन खराब मौसम के कारण इसे प्रमदम में उतारने का फैसला किया गया।

अधिकारी ने बताया, ''कंक्रीट पूरी तरह से जम नहीं पाया था इसलिए जब हेलीकॉप्टर उतरा तो वह उसका भार नहीं संभाल सका और जहां पहिए जमीन को छू रहे थे, वहां गड्ढे बन गए।''

राष्ट्रपति मुर्मू केरल के चार दिवसीय आधिकारिक दौरे पर मंगलवार शाम को तिरुवनंतपुरम पहुंचीं और आज सुबह पथनमथिट्टा जिले के लिए रवाना हुईं, जहां एक पहाड़ी पर सबरीमला मंदिर स्थित है। मुर्मू प्रमदम से सड़क मार्ग से पंबा जा रही हैं जो सबरीमला की तलहटी में स्थित है।

तमिलनाडु में बड़ा सड़क हादसा: तेज बारिश के चलते तिंडिवनम में बस पलटी, पांच महिलाओं समेत 21 यात्री घायल

चेन्नई। तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के तिंडिवनम में बुधवार तड़के हुए एक हादसे में पांच महिलाओं समेत 21 लोग घायल हो गए। तेज बारिश के चलते बस अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे उसमें सवार लोग हादसे की चपेट में आ गए।

स्थानीय पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सरकारी बस पट्टुकोट्टई से चेन्नई जा रही थी। यह हादसा तिंडिवनम के जक्कमपट्टई के पास सुबह करीब 3:30 बजे हुआ। तिंडिवनम पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया, कुल 21 घायलों में से चार पुरुषों की हालत गंभीर है। एक व्यक्ति का हाथ कट गया है। अधिकारी के अनुसार, चालक जो हादसे में सुरक्षित बच गया, उसने मोड़ लेते समय गति कम नहीं की, जिससे बस का नियंत्रण बिगड़ गया। बारिश के कारण सड़क फिसलन भरी थी, जिसके चलते बस पलट गई। पुलिस अधिकारी ने बताया, हमने चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281 (सार्वजनिक मार्ग पर लापरवाही से वाहन चलाने) और धारा 125 (लापरवाही या असावधानी से मानव जीवन को खतरे में डालने) के तहत मामला दर्ज किया है।

रूसे से तेल खरीदने के ट्रंप के दावे पर सियासत, कांग्रेस बोली- पीएम छुपाते हैं, ट्रंप उजागर कर देते हैं

नई दिल्ली। 'भारत अब रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा', अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारत और रूस को लेकर बार-बार किए जा रहे इस दावे को लेकर देश में सियासत तेज हो गई है। मामले में कांग्रेस ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जमकर निशाना साधा है। कांग्रेस ने कहा कि यह छह दिन में चौथी बार है जब ट्रंप ने भारत की विदेश नीति की घोषणा की है, जबकि प्रधानमंत्री चुप्पी साधे हुए हैं। पार्टी का कहना है कि अमेरिका बार-बार भारत की नीतियों की जानकारी सार्वजनिक कर रहा है, जबकि भारत सरकार पारदर्शिता नहीं दिखा रही है।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आखिरकार स्वीकार किया कि ट्रंप ने उन्हें फोन किया और

दीवाली की बधाई दी, लेकिन सिर्फ इतना ही बताया, लेकिन मोदी जो छिपाते हैं, ट्रंप वो सब बता देते हैं। उन्होंने कहा कि ट्रंप ने यह भी कहा है कि भारत रूस से तेल खरीद में कटौती कर रहा है और ये बात खुद प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें बताई है। जयराम रमेश ने यह भी याद दिलाया कि इससे पहले 10 मई को ऑपरेशन सिंदूर के बंद होने की जानकारी भी ट्रंप ने पहले दी थी, न कि प्रधानमंत्री ने।

क्या कहा ट्रंप और मोदी ने?

बता दें कि बीते दिनों में कई बार ट्रंप भारत के रूस से तेल खरीद के मामले में बेतुका बयानबाजी कर चुके हैं। अंतिम बार उन्होंने ऐसा दावा पीएम मोदी से बातचीत के बाद किया। ट्रंप ने व्हाइट हाउस में कहा कि मैं भारत के लोगों से प्यार करता हूं। हमने आज प्रधानमंत्री मोदी से बात की। वह रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करना चाहते हैं, इसलिए और अब भारत रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीद रहा।

वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में लिखा कि फोन कॉल और दीवाली की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद राष्ट्रपति ट्रंप। यह रौशनी का पर्व हमारे दोनों महान लोकतंत्रों को आशा की किरण बनने और आतंकवाद के खिलाफ एकजुट खड़े होने की प्रेरणा दे। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति और पीएम नरेंद्र मोदी के बीच ये फोन कॉल ऐसे समय पर हुआ है जब अमेरिका और भारत के बीच व्यापार, टैरिफ और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे मुद्दों पर मतभेद बढ़े हैं।

सिद्धारमैया के बेटे का बड़ा बयान, डीके शिवकुमार की खामोशी; कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन तय?

बैंगलुरू। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बेटे ने सुझाव दिया है कि कांग्रेस नेता सतीश जरकीहोली उनके पिता की विरासत को आगे बढ़ाने के लिए संभावित उत्तराधिकारी हो सकते हैं, जिनके बारे में उन्होंने कहा कि वे अपने राजनीतिक जीवन के अंतिम चरण में हैं। यतींद्र की यह टिप्पणी कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसका कांग्रेस पार्टी ने पहले खंडन किया था। जहाँ एक ओर संभावित नेतृत्व परिवर्तन पर बातचीत चल रही है, वहीं सिद्धारमैया के बेटे यतींद्र ने एक आश्चर्यजनक घोषणा की कि उनके पिता अपने राजनीतिक करियर के अंतिम चरण में हैं और सतीश जरकीहोली जैसे नेता उनकी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार होंगे।

यतींद्र ने कहा कि किसी खास विचारधारा से जुड़े व्यक्ति को ढूंढना मुश्किल है और उन्होंने सुझाव दिया कि जरकीहोली एक प्रगतिशील नेता की भूमिका निभा सकते हैं। गौरतलब है कि जरकीहोली ने पहले कहा था कि

वह मुख्यमंत्री पद की दौड़ में नहीं हैं। यतींद्र की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए, शिवकुमार ने कोई टिप्पणी नहीं की और कहा, 'आपको उनसे पूछना चाहिए, मैं क्या कह सकता हूँ?' उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले पर अंतिम निर्णय कांग्रेस आलाकमान लेगा।

दूसरी ओर कांग्रेस कर्नाटक में बड़े फेरबदल के लिए पूरी तरह तैयार है, और सूत्रों के अनुसार, 'सबसे पुरानी पार्टी' कामराज योजना को लागू करेगी, जिसका मतलब है कि प्रदर्शन और भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर कई वरिष्ठ चेहरों को राज्य मंत्रिमंडल से हटाया जाएगा। कांग्रेस इस साल के अंत तक होने वाले फेरबदल में एक दर्जन वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों को हटाकर उन्हें पार्टी संगठन में स्थानांतरित कर सकती है, और नए चेहरों को मंत्रिमंडल में जगह दी जाएगी।

कर्नाटक सरकार के ढाई साल पूरे होने के साथ ही मंत्रिमंडल में फेरबदल की संभावनाएँ बढ़ गई हैं, और उप-मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार राज्य में बारी-बारी से मुख्यमंत्री पद की माँग कर रहे हैं। हालाँकि, अगर कामराज योजना राज्य में लागू होती है, तो उन्हें राज्य में अपने एक पद से हटना होगा, क्योंकि वह राज्य के पार्टी अध्यक्ष होने के साथ-साथ कैबिनेट मंत्री और उप-मुख्यमंत्री भी हैं। कामराज योजना 1963 में मद्रास के तत्कालीन मुख्यमंत्री के. कामराज द्वारा शुरू की गई एक पहल थी, जो बाद में 1963 में कांग्रेस (ओ) के अध्यक्ष बने। कुमारस्वामी कामराज ने प्रस्ताव दिया था कि वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं को पार्टी के पुनर्निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सरकारी पदों से इस्तीफा दे देना चाहिए। इसका लक्ष्य जमीनी स्तर पर पार्टी के संगठन को मज़बूत करना था।

महीनों के गतिरोध के बाद लद्दाख-केंद्र संवाद बहाल, राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची मुख्य मुद्दे

लेह। महीनों से चल रहे गतिरोध को समाप्त करने के लिए एक बड़े कदम के रूप में, लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने बुधवार को केंद्र के साथ बातचीत फिर से शुरू की, जिसमें चार सूत्री एजेंडे पर ध्यान केंद्रित किया गया- लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची के तहत समावेश, आरक्षण सुरक्षा उपाय और कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) को रद्द करना।

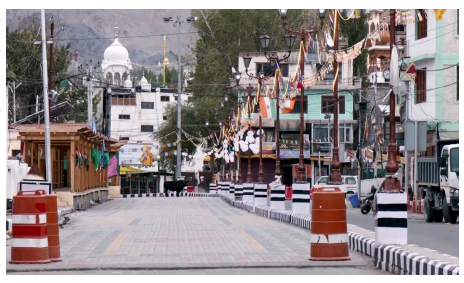

गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों और नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल के बीच लगभग दो घंटे की बैठक के दौरान मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) के तीन-तीन प्रतिनिधि और लद्दाख के सांसद मोहम्मद हनीफा जान शामिल थे। नौ सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल हनीफा जान ने एएनआई को बताया कि चर्चा मुख्य रूप से चार प्रमुख मुद्दों पर केंद्रित रही - लद्दाख को राज्य का दर्जा, छठी अनुसूची में शामिल करना, आरक्षण संबंधी मामले और जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक पर लगे राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) को हटाना।

हनीफा ने कहा कि बातचीत सकारात्मक माहौल में हुई और दोनों पक्षों ने बातचीत जारी रखने की इच्छा जताई। हनीफा ने कहा, 'हमने चारों बिंदुओं पर रचनात्मक चर्चा की। लद्दाख की पहचान की रक्षा और उसके लोगों के लिए न्याय और उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर आपसी समझ बनी।' पहले दो मुद्दों - राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची में शामिल करना - पर प्रतिनिधिमंडल ने दोहराया कि ये लद्दाख की भूमि, संस्कृति और रोजगार के अधिकारों की रक्षा के लिए आवश्यक हैं। आरक्षण के मुद्दे पर, दोनों पक्ष सभी समुदायों के लिए उचित अवसर सुनिश्चित करने वाले पारस्परिक रूप से स्वीकार्य फॉर्मूले पर पहुंचने के लिए जल्द ही आगे विचार-विमर्श करने पर सहमत हुए।

प्रतिनिधिमंडल ने सोनम वांगचुक का मामला भी उठाया, सरकार से उन पर लगाए गए एनएसए को वापस लेने का आग्रह किया, इसे जनता का विश्वास बहाल करने और क्षेत्र में आम सहमति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण बताया। यह बैठक केंद्र और लद्दाख के दो प्रमुख सामाजिक-राजनीतिक गठबंधनों - एलएबी और केडीए के बीच महीनों के गतिरोध के बाद नए सिरे से बातचीत के हिस्से के रूप में हुई। 24 सितंबर को लेह में हुई हिंसा की न्यायिक जांच की गृह मंत्रालय द्वारा 17 अक्टूबर को घोषणा के बाद बातचीत फिर से शुरू हुई।

अधिकारी जन समस्याओं के प्रति बनें संवेदनशील, कराएं त्वरित समाधानः आदित्यनाथ

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। लोगों की समस्या सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायत पर तेजी से कार्रवाई करते हुए गुणवत्तापूर्ण व संतुष्टि परक समाधान कराएं। समस्या लेकर पहुंचे लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई कराएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 300 लोगों से मिले। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। अलग-अलग मामलों से जुड़ीं समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए।

जमीन कब्जे की शिकायतों पर मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने पुलिस अधिकारियों को भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा यदि कोई दबंग, माफिया किसी की जमीन पर जबरन कब्जा कर रहा हो तो उसके खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई की जाए और गरीबों को उजाड़ने वाले कतई न बख्शे जाएं।

पटाखे चले फिर भी प्रदूषण 'कम'! दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का दावा, पराली जलाने की पर पंजाब सरकार को घेरा

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दावा किया कि इस साल दिवाली की रात शहर में वायु प्रदूषण पिछले साल की तुलना में कम था। उनका यह बयान निगरानी केन्द्रों द्वारा यह बताये जाने के एक दिन बाद आया है कि दिवाली के दिन दिल्ली का वायु प्रदूषण चार वर्षों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था, जिसमें सूक्ष्म प्रदूषक कणों (पीएम 2.5) की सांद्रता 675 पर पहुंच गई थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह बृहस्पतिवार को पंजाब के एक मंत्री से मुलाकात करेंगी और राज्य सरकार को पराली जलाये जाने के संबंध में दिल्ली की चिंताओं से अवगत कराएंगी। पराली जलाना सर्दियों में राष्ट्रीय राजधानी में प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। गुप्ता ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''इस साल दिवाली से पहले और बाद में (औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) के बीच) अंतर पिछले साल की तुलना में कम है, भले ही इस बार पटाखे जलाने की अनुमति दी गई थी।'' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए ''अधिक सतर्कता'' के साथ सभी आवश्यक कदम उठा रही है।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने मंगलवार को कहा था कि दिवाली से पहले दिल्ली में एक्यूआई 341 था और दिवाली के बाद यह केवल 11 बिंदु बढ़कर 356 हुआ है। सिरसा ने राष्ट्रीय राजधानी में जहरीली धुंध के लिए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार को जिम्मेदार ठहराया था और आरोप लगाया था कि राज्य सरकार ने दिवाली की रात किसानों को रिकॉर्ड मात्रा में धान की पराली जलाने के लिए ''मजबूर किया''।

दिवाली की रात सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित समय सीमा से ज़्यादा पटाखे फोड़ने के कारण मंगलवार को दिल्ली की वायु गुणवत्ता और भी ज़्यादा 'बेहद खराब' श्रेणी में पहुँच गई। प्रदूषकों और भारी धातुओं से भरे ज़हरीले धुएँ के बढ़ने से शहर का औसत प्रति घंटा PM2.5 का स्तर आधी रात को 675 माइक्रोग्राम/घन मीटर तक पहुँच गया, जो 2021 में दिवाली की रात के बाद से सबसे ज़्यादा है, जब यह 728 माइक्रोग्राम था।

हालांकि, सुबह 6 बजे के बाद हवा की गति में वृद्धि और सामान्य से अधिक तापमान, साथ ही पराली जलाने का नगण्य प्रभाव, दिन के दौरान प्रदूषण में और वृद्धि को रोक पाया। दिवाली के दिन दिल्ली का 24 घंटे का औसत AQI शाम 4 बजे 'बहुत खराब' श्रेणी में 345 रहा - 2021 के बाद से दिवाली के दिन का उच्चतम रीडिंग, जब यह 382 तक पहुंच गया था। मंगलवार को, यह मामूली रूप से बढ़कर 351 हो गया।

महागठबंधन एकजुट, सारे भ्रम जल्द दूर हो जाएंगेः अशोक गहलोत

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सीट बंटवारे को लेकर विपक्षी दलों के 'महागठबंधन' के भीतर जारी चर्चाओं के बीच कांग्रेस ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि गठबंधन पूरी तरह एकजुट है और जल्द सभी भ्रम समाप्त हो जाएंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार चुनाव के लिए पार्टी पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने कहा, ''तमाम काम बहुत अच्छे से चल रहे हैं। एक-दो दिन में जो भी भ्रम है, वह पूरी तरह दूर हो जाएगा।''

पत्रकारों से बातचीत में गहलोत ने स्वीकार किया कि बिहार की 243 विधानसभा सीट में से कुछ पर ''दोस्ताना मुकाबला'' की स्थिति बन सकती है, लेकिन उन्होंने इसे किसी बड़े विवाद के रूप में देखने से इनकार किया।

उन्होंने कहा, ''कभी-कभी कार्यकर्ताओं में उत्साह होता है, स्थानीय परिस्थितियों के चलते ऐसी स्थितियां आती हैं। इसे महागठबंधन की कमजोरी नहीं बल्कि लोकतांत्रिक जोश के रूप में देखना चाहिए।'' सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और वामदलों के बीच जारी आंतरिक मतभेद के चलते महागठबंधन के घटक दल राज्य की कम से कम 11 विधानसभा सीट पर एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में हैं।

इस बीच, बिहार कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने भी राज्य की चुनावी रणनीति को लेकर पार्टी की स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा, ''बिहार में मुकाबला 243 सीट पर है और यह लड़ाई सीधे तौर पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के खिलाफ है। यह सिर्फ सत्ता की लड़ाई नहीं बल्कि बिहार की जनता और उनके बच्चों के भविष्य की लड़ाई है।'' अल्लावरु ने विश्वास जताया कि महागठबंधन जनता के मुद्दों पर मजबूती से चुनाव लड़ेगा और बिहार में बदलाव की बयार लाएगा।

विपक्ष में दिखने लगी दरार! कांग्रेस नेता के बिना गठबंधन के चुनाव लड़ने वाले बयान पर बिफरी मनसे

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) ने बुधवार को मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष भाई जगताप के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी जिसमें उन्होंने कहा था कि आगामी नगरपालिका चुनावों के लिए कांग्रेस का राज ठाकरे की एमएनएस या उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव-बालासाहेब ठाकरे) से कोई गठबंधन नहीं होगा। मनसे नेता यशवंत किलेदार ने जगताप के बयान को अनुचित और भ्रामक बताया। साथ ही उन पर कांग्रेस के ही नेता से विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, 'भाई जगताप केवल एक स्थानीय नेता हैं। कांग्रेस में अहम फैसले दिल्ली में हाईकमान लेता है। हमने न तो कभी कांग्रेस से गठबंधन का प्रस्ताव रखा और न ही ऐसा कोई सार्वजनिक बयान दिया। फिर वे बेवजह हमारा नाम क्यों घसीट रहे हैं?' किलेदार ने आरोप लगाया कि जगताप ने 2022 के विधान परिषद चुनावों के दौरान कांग्रेस नेता चंद्रकांत हांदोर के साथ विश्वासघात किया था।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष को देनी पड़ी सफाई

इस पूरे विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने स्पष्ट किया कि जगताप की टिप्पणी उनकी व्यक्तिगत राय थी और यह पार्टी का आधिकारिक रुख नहीं दर्शाती। उन्होंने कहा, 'हमारी समिति की बैठक में विभिन्न नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अपने विचार रखे थे, लेकिन अंतिम निर्णय हमारी केंद्रीय नेतृत्व- मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी और सोनिया गांधी द्वारा लिया जाएगा, और हम उसी का पालन करेंगे।'

गायकवाड़ ने कहा कि महा विकास आघाडी (एमवीए) का गठन संविधान की रक्षा के साझा न्यूनतम कार्यक्रम के आधार पर हुआ था। एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और शरद पवार की एनसीपी (एसपी) शामिल हैं। हाल के महीनों में उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की कई मुलाकातों के बाद यह अटकलें तेज हो गई हैं कि दोनों दल आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के लिए एक साथ आ सकते हैं।

गायकवाड़ ने कहा, 'हम उन्हीं दलों के साथ रहेंगे जो संविधान में विश्वास रखते हैं और कानून-व्यवस्था का सम्मान करते हैं। जो ऐसा नहीं करते, उनसे कोई गठबंधन नहीं होगा।' उन्होंने आगे कहा, 'लोकतंत्र में हर किसी को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन अंतिम निर्णय पार्टी की केंद्रीय नेतृत्व ही लेती है।'

365 दिनों में 1200 से ज़्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम-मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार

आशा भोसले और सुधीर फड़के के जीवंत गीतों का 'दीप उत्सव दिवाली पहाट'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

मुंबई। सांस्कृतिक कार्य, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री और मुंबई उपनगर के संरक्षक मंत्री एडवोकेट आशीष शेलार ने कहा कि राज्य भर में 365 दिनों में 1200 से ज़्यादा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे और महाराष्ट्र की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा को जन-जन तक पहुँचाने के लिए कई गतिविधियाँ चलाई जाएँगी।

मुंबई के सांस्कृतिक कार्य विभाग के सांस्कृतिक कार्य निदेशालय की ओर से दिवाली के स्वागत में मुलुंड स्थित कालिदास रंगमंच पर बड़े उत्साह के साथ एक जीवंत सांस्कृतिक कार्यक्रम 'दीप उत्सव दिवाली पहाट' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आशा भोसले और सुधीर फड़के (बाबूजी) के अविस्मरणीय गीतों का एक मधुर संगीत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायक अजीत परब, अभिषेक नलावड़े, गायिका शाल्मली सुखतंकर और प्राजक्ता सातर्डेकर ने अपनी मधुर आवाज़ से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की प्रस्तुति मिलिंद कुलकर्णी ने की, जबकि संगीत संयोजन दीपक कुमठेकर और अमित गोठीवेकर ने किया।

इस अवसर पर विधायक मनोज कोटक, नगरसेवक प्रभाकर शिंदे, उत्तर पूर्व मुंबई जिला अध्यक्ष दीपक दलवी और नगरसेविका स्मिता कांबले उपस्थित थे। मुलुंडकर दर्शकों ने कार्यक्रम का उत्साहपूर्ण स्वागत किया।

मुंबई की एक आवासीय इमारत में आग लगी, दमकलकर्मी समेत दो लोग मामूली रूप से घायल

मुंबई । मुंबई के मलाड पश्चिम में बुधवार को एक आवासीय इमारत में आग लग गई, जिसमें एक निवासी और एक अग्निशमनकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि अग्निशमन विभाग को सुबह 5:06 बजे लिंक रोड स्थित इनऑर्बिट मॉल के पास सात मंजिला भूमि क्लासिक में आग लगने की सूचना मिली। उन्होंने बताया कि आग इमारत की छठी और सातवीं मंजिल पर स्थित कई बंद फ्लैटों तक फैल गई थी।

अधिकारी ने बताया कि कई दमकल गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और लगभग दो घंटे बाद आग पर काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि घटना में शुभम अगोटरिया (24) मामूली रूप से घायल हो गए।

अग्निशमन अभियान के दौरान मामूली चोट लगने के बाद एक वरिष्ठ स्टेशन अधिकारी को जोगेश्वरी (पूर्व) स्थित बालासाहेब ठाकरे ट्रॉमा केयर अस्पताल ले जाया गया। अधिकारी ने बताया कि आग लगने का सही कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

अधिकारी ने बताया कि बोरीवली पूर्व के गोराई इलाके में दोपहर के आसपास एक रिहायशी इमारत में भी आग लग गई। उन्होंने कहा, "किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है। मौके पर अग्निशमन कार्य जारी है।

पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक ने किया बांद्रा टर्मिनस का दौरा

त्योहारों की भीड़ के मद्देनज़र यात्री सुविधाओं का निरीक्षण तथा भीड़ प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिवाली और छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को देखते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने 21 अक्टूबर 2025 को बांद्रा टर्मिनस स्टेशन का दौरा किया तथा अत्यधिक यात्री यातायात को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए यात्री सुविधाओं, भीड़ प्रबंधन व्यवस्था और स्पेशल ट्रेन परिचालन का विस्तृत निरीक्षण किया। उनके साथ पश्चिम रेलवे मुख्यालय और मुंबई सेंट्रल मंडल के वरिष्ठ रेल अधिकारी भी मौजूद थे। इस दौरे के दौरान महाप्रबंधक ने बांद्रा टर्मिनस के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कि कॉनकोर्स, होल्डिंग एरिया, टिकट काउंटर, प्रतीक्षालय और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया तथा त्योहारों के दौरान आने वाली भीड़ को प्रभावी ढंग से संभालने के लिए स्टेशन की तैयारियों की समीक्षा की।

निरीक्षण के बाद विवेक कुमार गुप्ता ने मीडिया को संबोधित किया और उन्हें त्योहारों के दौरान होने वाली भीड़ को प्रबंधित करने तथा यात्रियों को आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा किए गए व्यापक प्रबंधों के बारे में जानकारी दी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, प्रेस ब्रीफिंग के दौरान महाप्रबंधक ने बताया कि भारतीय रेल द्वारा वर्तमान त्योहारी सीज़न के दौरान हॉलिडे स्पेशल ट्रेनों के 12,000 से अधिक फेरे परिचालित किए जा रहे हैं। देश भर के प्रमुख स्टेशनों पर होल्डिंग एरिया, अतिरिक्त टिकट काउंटर, पेयजल सुविधाएं और अन्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं, जबकि 12 लाख से अधिक रेलवे कर्मचारी इस अवधि के दौरान यात्रियों के लिए सुचारू और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने आगे बताया कि दिवाली और छठ पूजा के त्योहारों पर आने वाली भीड़ को देखते हुए पश्चिम रेलवे लगभग 80 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के 2,400 से ज़्यादा फेरे चला रही है, जिनमें से ज़्यादातर उत्तर भारत की ओर जाती हैं। इनमें से 1,586 फेरे गुजरात से, 738 महाराष्ट्र से और 90 मध्य प्रदेश से हैं। इनमें अनारक्षित स्पेशल ट्रेनों के लगभग 50 फेरे भी शामिल हैं।

गुप्ता ने कहा कि टिकटिंग में आसानी के लिए मोबाइल यूटीएस सुविधा शुरू की गई है, जिसके माध्यम से बुकिंग कर्मचारी टिकट जारी करने के लिए सीधे यात्रियों से संपर्क करते हैं। यात्रियों की अतिरिक्त संख्या को प्रबंधित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अतिरिक्त कर्मियों को स्टेशनों पर तैनात किया गया है, ताकि यात्रियों का मार्गदर्शन किया जा सके और कतारों में सुरक्षित, व्यवस्थित आवाजाही सुनिश्चित की जा सके। नियमित और विशेष सेवाओं सहित ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने के लिए आरपीएफ कर्मियों द्वारा सुरक्षा की जा रही है।

गुप्ता ने बताया कि यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सीसीटीवी सिस्टम पर चौबीसों घंटे निगरानी रखी जा रही है। सभी संवेदनशील स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के लिए वॉर रूम स्थापित किए गए हैं, जहाँ पश्चिम रेलवे के अधिकारी और कर्मचारी चौबीसों घंटे मौजूद रहते हैं। उन्होंने आगे बताया कि यात्रियों की सुविधा के लिए सभी प्रमुख स्टेशनों पर निःशुल्क पेयजल और पर्याप्त शौचालय की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

बांद्रा टर्मिनस पर त्योहारों के दौरान अत्यधिक भीड़ को संभालने के लिए विशेष उपाय लागू किए गए हैं।

सरकार की 'दुर्गोत्सव' पहल के अंतर्गत नवी मुंबई नगर निगम द्वारा आयोजित 'किला निर्माण प्रतियोगिता' को नागरिकों की उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार की अभिनव पहल, अमृत 'दुर्गोत्सव 2025' के माध्यम से, छत्रपति शिवाजी महाराज के पराक्रम के साक्षी 12 किलों को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल किए जाने की गौरवपूर्ण खुशी, दिवाली के अवसर पर, विभिन्न स्थानों पर किलों की प्रतिकृतियाँ बनाने की हमारी सांस्कृतिक परंपरा को संरक्षित करते हुए मनाई जा रही है। इस पहल में भाग लेने वाले और किलों की प्रतिकृतियाँ बनाने वाले समूहों को मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित बधाई पत्र दिया जा रहा है।

सरकार की इस 'दुर्गोत्सव' पहल में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने के लिए, नवी मुंबई नगर निगम के खेल एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग द्वारा और आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में शिक्षा विभाग के सहयोग से 'किला निर्माण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया है। इस प्रतियोगिता को स्कूल स्तर के शिक्षकों और छात्र समूहों के साथ-साथ समाजों, कॉलोनियों और संस्थानों के नागरिकों से भी अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

सरकार द्वारा घोषित दुर्गोत्सव में भाग लेने के लिए, आपको 25 अक्टूबर 2025 तक डिजिटल प्लेटफॉर्म https://www.durgotsav.com/ पर अपने नाम और अन्य विवरण के साथ फॉर्म भरकर पंजीकरण करना होगा। दुर्गोत्सव में भाग लेने के लिए, आपको यूनेस्को द्वारा घोषित छत्रपति शिवाजी महाराज की बारह दुर्गा मूर्तियों, अर्थात् रायगढ़, प्रतापगढ़, सिंधुदुर्ग, साल्हेरदुर्ग, खंडेरिचा दुर्ग, जिंजी, पन्हालगढ़, शिवनेरी, विजयदुर्ग, लोहागढ़, पद्मदुर्ग में से किसी एक के साथ एक सेल्फी लेनी होगी और उसे उसी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अपलोड करना होगा। अमृत संस्था द्वारा इस तस्वीर की वैधता सत्यापित होने के बाद, सरकार की ओर से प्रत्येक प्रतिभागी को मुख्यमंत्री द्वारा हस्ताक्षरित एक 'बधाई पत्र' डिजिटल रूप में प्रदान किया जा रहा है।

दुर्गोत्सव के लिए बनाए गए किले की प्रतिकृति के लिए नागरिकों को और अधिक प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए, नवी मुंबई नगर निगम ने 'किला निर्माण प्रतियोगिता' की घोषणा की है और सर्वश्रेष्ठ किलों का निर्माण करने वाले समूहों को प्रमाण पत्र और पदक से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए, https://q.me-qr.com/wlRTYWOz लिंक पर जाकर प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए आवेदन भरना होगा। दुर्गा की प्रतिकृति में पर्यावरण के अनुकूल और सुरक्षित सामग्री जैसे मिट्टी, पत्थर, कार्डबोर्ड, लकड़ी, कागज, घास, रंगोली का उपयोग किया जाना चाहिए और बनाई गई दुर्गा का संक्षिप्त इतिहास भी जगह पर एक बोर्ड पर प्रदर्शित किया जाना चाहिए।

यह प्रतियोगिता दो समूहों में आयोजित की जाएगी, अर्थात् 'स्कूल समूह' और 'संगठनों, क्लबों, समाजों का खुला समूह' और दोनों समूहों को अलग-अलग पुरस्कार दिए जाएंगे। इसके लिए नागरिकों को 22 अक्टूबर 2025 को शाम 5 बजे तक डिजिटल प्लेटफॉर्म https://q.me-qr.com/wlRTYWOz पर जानकारी भरकर प्रवेश आवेदन जमा करना होगा। साथ ही, इसी लिंक पर पूर्व, पश्चिम, दक्षिण, उत्तर और ऊपर से आपके द्वारा बनाई गई दुर्गा की एक तस्वीर, जिसमें पूरी दुर्गा दिखाई दे रही हो, कुल 5 तस्वीरें, एक पीडीए फ़ाइल में अपलोड करनी होंगी।

चूँकि प्रारंभिक दौर का मूल्यांकन इन्हीं तस्वीरों के आधार पर किया जाएगा, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि तस्वीरों में दुर्गा की छवि स्पष्ट और प्रमुखता से दिखाई दे। तस्वीरें इस प्रकार जमा की जानी चाहिए कि तस्वीर से दुर्गा की पूरी प्रतिकृति के बारे में जानकारी प्राप्त की जा सके। इस प्रारंभिक दौर से दोनों समूहों के लिए अलग-अलग किलों के चयन की घोषणा 24 अक्टूबर को अंतिम दौर के लिए की जाएगी और नगर निगम की निरीक्षण समिति 25 और 26 अक्टूबर, 2025 को किले की प्रतिकृतियों का दौरा करेगी। अंतिम दौर के दौरान निरीक्षण समिति के समक्ष किले के बारे में 2 मिनट की जानकारीपूर्ण मौखिक प्रस्तुति देना भी महत्वपूर्ण है।

मूल्यांकन ऐतिहासिक सटीकता, कलात्मकता और रचनात्मकता, पर्यावरण मित्रता, टीम भावना और समन्वय, प्रस्तुति शैली, स्वच्छता और निर्माण सटीकता, सामग्रियों का प्रभावी उपयोग, परिवेश और सजावट, और समग्र प्रभाव सहित 10 मानदंडों पर आधारित होगा। अधिक जानकारी के लिए, कृपया 9819555220 या 9004761640 पर संपर्क करें।

हालांकि, छात्रों और नागरिकों से महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित दुर्गोत्सव पहल में उत्साहपूर्वक भाग लेने की अपील करते हुए, उन्हें यूनेस्को द्वारा घोषित 12 किलों में से एक की प्रतिकृति बनानी चाहिए और दिवाली के दौरान किले बनाने की हमारी सांस्कृतिक परंपरा के लिए विश्व रिकॉर्ड स्थापित करने में योगदान देना चाहिए। साथ ही, मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे ने उनसे इस किले को पंजीकृत करने और नवी मुंबई शहर से अधिक से अधिक किले की प्रतिकृतियां बनाने के लिए आयोजित किला निर्माण प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की है।

अकोला में दर्दनाक सड़क हादसा, अज्ञात वाहन के टक्कर से तीन की मौत और एक घायल

अकोला । महाराष्ट्र के अकोला जिले में मगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। नेशनल हाईवे नबर-53 पर कुरनखेड गांव के पास एक अज्ञात वाहन ने सड़क किनारे खड़े चार लोगों को टक्कर मार दी, जिसमें तीन की मौके पर मौत हो गई और एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

तेज रफ्तार गाड़ी ने मारी टक्कर

पुलिस के अनुसार, यह हादसा रात करीब 10 बजे हुआ जब एक दंपती, उनका ड्राइवर और एक अन्य व्यक्ति अपनी टैक्सी के खराब हो जाने के बाद हाईवे पर खड़े थे। वे वाहन को खींचने करने के लिए एक कार्गो वाहन बुला रहे थे, तभी मुरतिजापुर से अकोला की ओर जा रही तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी।

हादसे में धीरज सिरसाथ (35), उनकी पत्नी अश्विनी सिरसाथ (30) और ड्राइवर आरिफ खान (28) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है और अकोला जिला अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना करने वाले वाहन और उसके चालक की तलाश जारी है।

पश्चिम रेलवे विभिन्न गंतव्यों के लिए चलाएगी छह जोड़ी अनारक्षित त्योहार स्पेशल ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा दिवाली एवं छठ पूजा के त्योहारी सीज़न के दौरान उनकी यात्रा माँग को पूरा करने के उद्देश्य से बांद्रा टर्मिनस-पटना, उधना-जयनगर, उधना-समस्तीपुर, अंकलेश्वर-समस्तीपुर और साबरमती-मुजफ्फरपुर स्टेशनों के बीच विशेष किराए पर छह जोड़ी अनारक्षित त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 09009/09010 बांद्रा टर्मिनस - पटना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन (06 फेरे)

ट्रेन संख्या 09009 बांद्रा टर्मिनस - पटना अनारक्षित स्पेशल ट्रेन प्रतिदिन बांद्रा टर्मिनस से 21:20 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 11:00 बजे पटना पहुँचेगी। यह ट्रेन 22 अक्टूबर से 24 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09010 पटना - बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित विशेष ट्रेन प्रतिदिन पटना से 14:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 05:00 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 24 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, भेस्तान, चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं।

2. ट्रेन संख्या 09091/09092 उधना-जयनगर अनारक्षित स्पेशल

ट्रेन संख्या 09091 उधना-जयनगर अनारक्षित स्पेशल जिसे पहले समस्तीपुर तक चलने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब जयनगर तक चलेगी। यह ट्रेन प्रतिदिन 14:15 बजे उधना से प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 09:00 बजे जयनगर पहुंचेगी। यह ट्रेन 27 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09092 जयनगर - उधना अनारक्षित स्पेशल जिसे पहले समस्तीपुर से प्रस्थान करने के लिए अधिसूचित किया गया था, अब 23 अक्टूबर, 2025 से जयनगर से प्रस्थान करेगी। ट्रेन प्रतिदिन 12:00 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 03:35 बजे उधना पहुंचेगी। यह ट्रेन 29 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, नंदुरबार, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, सकरी और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं।

3. ट्रेन संख्या 09093/09094 उधना - जयनगर अनारक्षित स्पेशल (06 फेरे)

ट्रेन संख्या 09093 उधना - जयनगर अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन उधना से 12:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 20:30 बजे जयनगर पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09094 जयनगर - उधना अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन जयनगर से 23:30 बजे प्रस्थान करेगी और तीसरे दिन 13:30 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 24 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, बारडोली, व्यारा, नंदुरबार, अमलनेर, भुसावल, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, सकरी और मधुबनी स्टेशनों पर रुकेगी।

4. ट्रेन संख्या 09001/09002 उधना - समस्तीपुर अनारक्षित स्पेशल (07 फेरे)

ट्रेन संख्या 09001 उधना - समस्तीपुर अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन उधना से 09:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 22:35 बजे समस्तीपुर पहुँचेगी। यह ट्रेन 23 अक्टूबर से 25 अक्टूबर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09002 समस्तीपुर - उधना अनारक्षित स्पेशल प्रतिदिन समस्तीपुर से 02:15 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 15:35 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 24 अक्टूबर से 27 अक्टूबर 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में सयाण, अंकलेश्वर, भरूच, वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में जनरल सेकेंड क्लास कोच हैं।यह ट्रेन दोनों दिशाओं में भरूच, वडोदरा, छायापुरी, गोधरा, दाहोद, रतलाम, उज्जैन, मक्सी, संत हिरदाराम नगर, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुरवारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, बक्सर, आरा, दानापुर, पाटलिपुत्र, हाजीपुर और मुजफ्फरपुर स्टेशनों पर रुकेगी।

शनिवारवाड़ा में नमाज़-गोमूत्र विवाद पर सीएम फडणवीस का कड़ा संदेशः उल्लंघन पर एक्शन तय

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पुणे के शनिवारवाड़ा किले को लेकर उठे विवाद पर बात करते हुए सभी नियमों और विनियमों का सख्ती से पालन करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि कानूनों का उल्लंघन करने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। विवाद तब शुरू हुआ जब शनिवारवाड़ा में तीन महिलाओं ने नमाज़ अदा की, जिस पर भाजपा सांसद मेधा कुलकर्णी ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। इसके बाद कुलकर्णी और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उस जगह का गोमूत्र से 'शुद्धिकरण' किया, जिससे विभिन्न राजनीतिक दलों में गरमागरम बहस छिड़ गई।

कुलकर्णी ने अपने कृत्य का बचाव किया और नमाज़ अदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि शनिवारवाड़ा में ऐसी धार्मिक गतिविधियाँ नहीं होनी चाहिए। कुलकर्णी के कृत्य को भाजपा के कुछ हिस्सों में समर्थन मिला, लेकिन एकनाथ शिंदे के

नेतृत्व वाली शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) सहित भाजपा के सहयोगी दलों ने उनकी आलोचना की। शिवसेना की नीलम गोरहे ने ज़ोर देकर कहा कि चूँकि शनिवारवाड़ा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अंतर्गत एक संरक्षित स्थल है, इसलिए क़ानून लागू होना चाहिए। एनसीपी नेता रूपाली पाटिल थोम्ब्रे ने सांप्रदायिक तनाव भड़काने के लिए कुलकर्णी के खिलाफ़ मामला दर्ज करने की माँग की।

घटना के बाद, एएसआई ने धरोहर स्थल पर उल्लंघनों की जाँच के लिए मामला दर्ज किया। पुणे पुलिस ने कहा है कि वे आगे की कार्रवाई करने से पहले एएसआई से परामर्श करेंगे। पुलिस उपायुक्त कृषिकेश रावले ने आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और तदनुसार कार्रवाई की जाएगी। शनिवारवाड़ा, पेशवाओं द्वारा 1736 में निर्मित 13 मंजिला महल, पुणे में सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व रखता है। हालाँकि 1828 में आग लगने से इसका अधिकांश भाग नष्ट हो गया था, फिर भी इसकी किले की दीवारें और विशाल द्वार पुणे की समृद्ध विरासत के प्रतीक हैं, जिससे इसका संरक्षण प्राथमिकता बन गया है।

BJP नेता ने बांटे 'एक है तो सेफ है' वाले गिफ्ट बैग, MVA को बताया अवसरवादी गठबंधन

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

दिवाली पर्व पर भेंट स्वरूप उपहार और मिठाई देने की परंपरा है. लेकिन दिवाली में BMC चुनाव का तड़का लग गया है. बीजेपी नेता संजय पांडेय 'एक है तो सेफ है' के नारे वाले गिफ्ट बैग घर-घर पहुचां रहे हैं. 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा विधानसभा चुनाव में खूब चला और दावा है कि बीजेपी को बम्पर फायदा हुआ. अब BMC चुनाव भी इसी नारे के पिच पर बीजेपी खेलने जा रही है.

बीजेपी नेता संजय पांडेय ने कहा, 'ये उपहार बैग ईको फ्रेंडली बैग हैं. इस पर सांस्कृतिक वारली पेंटिंग बनी है. इसके अंदर का फलाहार महिला बचत गट द्वारा बनाया गया है. यानी समाज के कई लोगों को काम मिला जिससे अर्थ चक्र घूमा और समाज के लोग सक्षम हुए।'

भारत में रहने वाले सभी लोगों का डीएनए एक- संजय पांडेय

उन्होंने आगे कहा, 'एक है तो सेफ है, ये एकता का नारा है. पीएम नरेंद्र मोदी ने एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया तो लोगों ने इसका उपहास किया. पीएम मोदी का मैसेज दूरगामी होता है. एकजुटता का नारा है. एक हुए तो हमारी सामाजिक और आर्थिक ताक़त बढ़ेगी. आज US टैरिफ का जवाब भी एकजुटता से दिया गया।'

विधानसभा चुनाव में 'एक हैं तो सेफ हैं' का नारा खूब चला और हिंदू वोट एकजुट हुए, इस सवाल पर उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाला हर कोई भारतवासी है इनका DNA एक है.

उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के संभावित गठबंधन पर उन्होंने कहा, 'एक साथ आएं या अलग रहें, ये उनका प्रश्न है. जनता देख रही है कि ये दोनों स्वार्थ के लिए एक हुए हैं. मराठी जनता समझदार है. कौन हित और विकास के लिए काम कर रहा है।'

'राष्ट्र को एक रखना राजनीति तो हम कर रहे हैं राजनीति'

इसके साथ ही बीजेपी नेता ने कहा, 'अगर राष्ट्र को एक रखना राजनीति है तो हम राजनीति कर रहे है. बीजेपी का मूल DNA अंत्योदय है जिसपर हम काम कर रहे हैं।'

'राष्ट्र को प्रेम करने वाला BJP को करता है वोट'

संजय पांडेय ने ये भी कहा, 'MVA एक स्वार्थ और अवसरवादी गठबंधन है. ना मुद्दा, ना नीति या ना नीयत है. MVA को जनता ने जगह दिखा दी है. राष्ट्र को प्रेम करने वाला बीजेपी को वोट करता है।'

फिर सामने आया मराठी-हिंदी विवाद! वसई किले में गार्ड पर भड़का युवक

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में एक बार फिर हिंदी बनाम मराठी का विवाद सामने आया है. महाराष्ट्र के पालघर जिले के वसई गांव स्थित वसई किले में एक युवक छत्रपति शिवाजी महाराज के वेश में शूट के लिए पहुंचा. वहां गार्ड ने रोका तो युवक भड़क गया। युवक ने गार्ड से कहा कि यहां पर नौकरी करते हुए कितने साल हो गए, अब तक मराठी क्यों नहीं सीखा?

मैंने हिंदी में बात करके सम्मान दिया ना- युवक

युवक गार्ड से कहता है, 'मैंने तेरे को सम्मान दिया है ना हिंदी में बात करके. मुझे तूझे सम्मान देना चाहिए ना महाराष्ट्र में मराठी बोलकर. कितने साल हो गए तेरे को जॉब करके यहां पर?' इस पर गार्ड बोलता है, 'दो साल, दो साल हो गए.' युवक कहता है, 'हां, तो मराठी क्यों नहीं सीखा?' बहस आगे बढ़ती है।

गार्डः सीखेगा सर

युवकः कब सीखेगा?

युवकः नाम दिखाओ जरा. बृजेश कुमार गुप्ता. यह आदमी एक सिक्योरिटी गार्ड है। वह हम जैसे मराठों को फोटो खींचने से रोक रहा है? हम उसका क्या करें? और वह बोलता है, मुझे मराठी नहीं आती।

गार्डः क्या-क्या बोलूं? किससे बोलूं?

युवकः तुम फेमस होना चाहते हो, है ना? पहली बात तो यह कि तुम्हें मराठी नहीं आती. है ना? चलो, नहीं बोल सकते, नहीं बोल सकते। लेकिन अब तुम भाईगिरी करके इस आदमी को लाए हो!

युवकः अब याद रखना. तुम फेमस हो जाओगे और तुम्हें यह नौकरी छोड़नी पड़ेगी और तुम यहां छत्रपति शिवाजी महाराज की इज्जत नहीं कर रहे हो, है ना? वसई कहां है? वसई फोर्ट।

युवकः कपल्स यहां क्या करते हैं? कौन से कपल्स अपनी मां-बहनों के साथ आते हैं? चलो! तब तुम्हारी आंखें को क्या हो जाता है? क्या तुम छत्रपति को समझते हो? यहां लोग शराब क्यों पी रहे हैं?

गार्डः नहीं सर।

युवकः नहीं, है ना? तो हमें छत्रपति का सम्मान करना चाहिए और अब से मराठी सीखनी चाहिए।

महाराष्ट्र निकाय चुनाव के लिए महायुति का फॉर्मूला तय, बीजेपी ने लिया बड़ा फैसला

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र में आने वाले कुछ महीनों में स्थानीय स्वराज्य संस्थाओं नगरपालिका और पंचायतों के चुनाव होने जा रहे हैं. इससे पहले अब एक बड़ी खबर सामने आई है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महापालिका चुनाव के लिए महायुति का फॉर्मूला तय हो गया है. मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस बारे में अहम जानकारी दी है. राज्य में जल्द ही स्थानीय निकायों के चुनाव होंगे. लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात को देखते हुए ये चुनाव प्रतिष्ठा का प्रश्न बन चुके हैं. इसलिए इन चुनावों को लेकर सभी दलों में उत्सुकता है।

अब तक यह स्पष्ट नहीं था कि ये चुनाव महायुति भाजपा, शिवसेना, राष्ट्रवादी गुट और महाविकास आघाडी 'शिवसेना ठाकरे गट, कांग्रेस, राष्ट्रवादी शरद पवार गट ' के रूप में लड़े जाएंगे या फिर पार्टियां अपने-अपने दम पर मैदान में उतरेंगी।

महायुति के वरिष्ठ नेताओं ने दावा किया था कि चुनाव गठबंधन के रूप में ही दम पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई थी।

चुनाव के लिए महायुति का फॉर्मूला तय

ऐसे में यह सवाल उठ रहा था कि क्या

लड़े जाएंगे, लेकिन कई जगहों पर स्थानीय पदाधिकारी अपने दम पर चुनाव लड़ने का नारा दे रहे थे. कई महानगरपालिकाओं में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी के कार्यकर्ताओं ने अपने तीनों दल साथ लड़ेंगे या अलग-अलग? इसी बीच अब बड़ी खबर आई है. सूत्रों के मुताबिक, महापालिका चुनाव के लिए महायुति का फॉर्मूला तय हो गया है. मुंबई में भाजपा, शिवसेना और राष्ट्रवादी तीनों दल मिलकर चुनाव लड़ेंगे. वहीं पुणे और पिंपरी-चिंचवड में भाजपा अपने दम पर चुनाव लड़ेगी।

ठाणे नगर निगम चुनाव को लेकर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है. फडणवीस ने बताया कि ठाणे में एकजुट होकर चुनाव लड़ने की संभवनाएं तलाश की जा रही है. उन्होंने यह भी कहा कि 'जहां विरोधियों को फायदा हो सकता है, वहां हम महायुति के रूप में मिलकर लड़ेंगे।'

महाविकास आघाडी में सस्पेंस बरकरार

इस बीच महाविकास आघाडी की ओर से भी स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर कोई स्पष्ट निर्णय नहीं लिया गया है. दूसरी तरफ राज ठाकरे की मनसे और शिवसेना ठाकरे गुट के बीच संभावित गठबंधन की चर्चा भी तेज है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या राज ठाकरे आगामी स्थानीय चुनावों में महाविकास आघाडी के साथ जाएंगे या नहीं।

'लाडकी बहिन योजना' का लाभ उठा रहे 12431 पुरुष! सरकार स्कीम में बड़े घोटाले का खुलासा

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र सरकार की महत्वपूर्ण 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहन' योजना में सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से भ्रष्टाचार का चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। इसमें 164 करोड़ रुपये से ज्यादा रुपये का दुरुपयोग सामने आया है। इस योजना में 12,431 और 77,980 अपात्र महिलाओं को लाभ दिया गया है।

सरकारी धन के इस बंदरबांट के खुलासे के बाद से हड़कंप मच गया है। इस मामले में आरोपित खातों में राशि जरूर रोक दी गई है, लेकिन अभी तक किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

दरअसल, महाराष्ट्र सरकार गरीब और निर्धन वर्ग की महिलाओं को मजबूत करने के लिए उन्हें हर महीने 1500 रुपये देती है. इसके लिए सरकार का एक बजट तय है, लेकिन योजना में भारी संख्या में हो रहे इस घोटाले से जाहिर है कि पात्र महिलाओं तक पैसा नहीं पहुंच रहा होगा. घोटाल में अलग-अलग विभागों के सरकारी कर्मचारियों के शामिल होने की भी बात सामने आई है।

एक साल से अपात्र ले रहे थे लाभ

एजेंसी द्वारा मांगी आरटीआई में महिला एवं बाल विकास विभाग ने जानकारी दी है कि सत्यापन के आड़ में 12,431 पुरुष और 77,980 अपात्र महिलाएं पाई गई हैं. इसमें पुरुष पात्रों को 13 महीने तक 1,500 रुपये प्रति माह दिए गए, जिसका कुल नुकसान 24.24 करोड़ रुपये हुआ है। वहीं, अपात्र महिलाओं को 12 महीने तक भुगतान हुआ, जिससे 140.28 करोड़ रुपये का गलत वितरण हुआ है।

कुल मिलाकर, 164.52 करोड़ रुपये का भुगतान गलत तरीके से हुआ है। विभाग के मुताबिक, अब इन अपात्रों को सूची से हटा दिया गया है, लेकिन इनसे वसूली या कार्रवाई जैसी कोई सूचना नहीं है।

सरकारी कर्मियों ने भी की लूट

वहीं, इस योजना में सरकारी कर्मचारी भी दुरुपयोग करने में पीछे नहीं रहे. आरटीआई के मुताबिक इसमें 2400 कर्मचारी शामिल हैं। जोकि कृषि, पशुपालन, आयुर्वेदिक,समाज कलायन और जिला परिषद जैसे विभागों से हैं। इनमें आयुर्वेद निदेशालय के 817, जिला परिषद् 1183, समाज कल्याण के 219, कृषि विभाग के 128 कर्मचारी शामिल हैं।

बढ़ सकती है अपात्रों की संख्या

इस मामले को लेकर महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने 25 अगस्त 2025 को X पर मराठी में पोस्ट किया था कि 26 लाख लाभार्थी योजना के पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करते. उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय स्तर पर सत्यापन के बाद अपात्र लाभार्थियों पर कार्रवाई होगी. जबकि आरटीआई के मुताबिक सत्यापन के बावजूद जून-जुलाई 2025 तक 26.34 लाख संदिग्ध खातों में भुगतान रोक दिया गया था, लेकिन वसूली की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं हुई।

क्या है यह योजना

बता दें कि मुख्यमंत्री माझी लड़की बहन योजना जून 2024 में शुरू की गई थी। इसमें 21-65 वर्ष की महिलाओं को, जिनके परिवार की वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है, हर महीने 1,500 रुपये की आर्थिक हायता दी जाती है। इसका उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त करना था, लेकिन आरटीआई के आंकड़ों ने इसके दुरुपयोग को उजागर किया है। 2.41 करोड़ महिलाएं वर्तमान में इस योजना की लाभार्थी हैं, जिससे सरकार पर 3,700 करोड़ रुपये महीने का बोझ पड़ता है।

मां-बाप हैं या जल्लाद! नवजात को खुले मैदान में छोड़ भागा दंपति, पुलिस ने बचाई जान

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

महाराष्ट्र के मुंबई के बांगर नगर इलाके से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां आधी रात के करीब चक्कर लगा रहे बांगर नगर पुलिस स्टेशन के बीट मार्शल्स को सड़क किनारे दो वैनों के बीच एक नवजात शिशु रोता हुआ मिला. मां-बाप नवजात को खुली जगह में छोड़ भाग गए थे और आसपास कोई नहीं था। पुलिस कर्मियों ने तुरंत इस पर ध्यान दिया और बच्चे की जान बचाने के लिए तुरंत कदम उठाया।

निर्भया स्क्वाड की टीम मौके पर पहुंची

सूचना मिलते ही नारी सुरक्षा के लिए गठित निर्भया स्क्वाड की टीम मौके पर पहुंची। उन्होंने नवजात को तुरंत शताब्दी अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया। डॉक्टरों की टीम ने बच्चे का तुरंत इलाज शुरू किया और प्राथमिक उपचार के बाद बताया कि बच्चा अब पूरी तरह सुरक्षित है। इलाज पूरा होने के बाद शिशु को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

एक महिला पुलिसकर्मी बच्चे को कटोरी और चम्मच की मदद से दूध पिला रही है. इसके बाद बांगर नगर पुलिस ने

बच्चे को अपनी देखरेख में लिया और निर्भया स्क्वाड की मदद से उसे अंधेरी स्थित सेंट कैथरीन होम में सुरक्षित रूप से सौंप दिया गया। यह संस्था अनाथ और बच्चों की देखभाल के लिए जानी जाती है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला

पुलिस ने इस मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल जांच की जा रही है कि यह नवजात किसका है और किसने उसे इस हालत में छोड़ दिया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि आरोपी तक पहुंचा जा सके।

मानसून के दौरान प्रभावित क्षेत्र तीन हेक्टेयर तक है; 648 करोड़ 15 लाख 41 हज़ार रुपये की राशि वितरण को मंज़ूरी - मंत्री मकरंद जाधव पाटिल

मुंबई। इस मानसून के दौरान भारी बारिश और बाढ़ से किसानों को भारी नुकसान हुआ है और सरकार इन प्रभावित किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है। राज्य सरकार ने भारी बारिश और बाढ़ से प्रभावित किसानों को तत्काल सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। इससे पहले, दो हेक्टेयर तक की सहायता को मंज़ूरी दी गई थी और अब, एक विशेष उपाय के रूप में, इन किसानों के लिए तीन हेक्टेयर तक के प्रभावित क्षेत्र के लिए 648 करोड़ 15 लाख 41 हज़ार रुपये की राशि के वितरण को मंज़ूरी दी गई है, राहत एवं पुनर्वास मंत्री मकरंद जाधव पाटिल ने बताया। इस संबंध में सरकारी निर्णय जारी कर दिया गया है।

यह निर्णय मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के मार्गदर्शन में लिया गया है। इस वर्ष खरीफ मौसम के दौरान प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के लिए राहत एवं पुनर्वास विभाग द्वारा अब तक लगभग 8139 करोड़ रुपये के सरकारी निर्णय जारी किए गए हैं, यह जानकारी भी मंत्री श्री जाधव पाटिल ने इस अवसर पर दी।

मंत्री श्री पाटिल ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लिए गए इस निर्णय से राज्य के 6 लाख 56 हजार 310.83 हेक्टेयर क्षेत्र में प्रभावित फसलों को हुए नुकसान के लिए 6 लाख 12 हजार 177 किसानों को लाभ मिलेगा। पहले इन किसानों को दो हेक्टेयर तक की सहायता स्वीकृत की गई थी, अब यह अतिरिक्त सहायता एक हेक्टेयर के लिए दी जाएगी। राहत एवं पुनर्वास मंत्री श्री जाधव-पाटिल ने विश्वास व्यक्त किया कि राज्य सरकार के इस निर्णय से प्रभावित किसानों को बड़ी राहत मिलेगी। छत्रपति संभाजीनगर संभाग - बीड, लातूर, परभणी, छत्रपति संभाजीनगर, जालना, हिंगोली, नांदेड़ जिलों के 3 लाख 58 हजार 612 किसानों को 3 लाख 88 हजार 101.13 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों के नुकसान के लिए मुआवजा।

नागपुर संभाग - नागपुर, चंद्रपुर, वर्धा और गढ़चिरौली जिलों के 3 हजार 931 किसानों के 7 हजार 698.25 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों के नुकसान के लिए 7 करोड़ 51 लाख 75 हजार रुपये।

नासिक संभाग - नासिक, जलगाँव और अहिल्यानगर जिलों के 53 हजार 865 किसानों के 50 हजार 629 हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों के नुकसान के लिए 59 करोड़ 36 लाख 13 हजार रुपये।

महाराष्ट्र में भी गठबंधन पर संकट! कांग्रेस नेता का बयान- 'राज ठाकरे की बात छोड़िए, हम उद्धव के साथ भी नहीं'

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

एक ओर बिहार चुनाव के बीच इंडिया गठबंधन में दरार पड़ती दिख रही है। सीटों पर सहमति न बनने पर हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा ने अलायंस से अलग होकर अकेले लड़ने का फैसला ले लिया है। माना जा रहा है कि इसका असर झारखंड में इंडिया गठबंधन पर भी पड़ सकता है. वहीं, अब तीसरे राज्य यानी महाराष्ट्र में भी विपक्षी गठबंधन दल फीका पड़ता दिख रहा है।

एक तरफ उद्धव ठाकरे अपने भाई राज ठाकरे को महाविकास अघाड़ी में शामिल करने की कोशिश कर रहे हैं तो दूसरी तारीफ कांग्रेस यह गठबंधन ही खत्म करने की योजना बना रही है. दरअसल,

महाराष्ट्र निकाय चुनाव से पहले कांग्रेस नेता भाई जगताप ने ऐलान कर दिया है कि पार्टी चुनावी मैदान में अकेले उतर सकती है।

'उद्धव ठाकरे के साथ नहीं होगा गठबंधन'- भाई जगताप

कांग्रेस नेता भाई जगताप ने भी बड़ा बयान दिया है। एबीपी न्यूज से बातचीत में उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज ठाकरे से हाथ नहीं मिलाएगी और उद्धव ठाकरे के साथ गठबंधन में भी चुनाव नहीं लड़ेगी. भाई जगताप ने स्पष्ट रूप से कह दिया है- 'उद्धव ठाकरे के साथ तो जा ही नहीं रहे। राज ठाकरे की तो बात ही छोड़िए।'

'राज ठाकरे के साथ बिल्कुल नहीं जाएगी कांग्रेस'- वर्षा गायकवाड़

इसके अलावा, राज ठाकरे के महाविकास अघाड़ी में शामिल होने की अटकलों के बीच मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ ने राज ठाकरे की पार्टी का नाम न लेते हुए कहा, 'संविधान और कानून को ना मानने वालों के साथ हम नहीं जाएंगे।'

वर्षा गायकवाड़ ने आगे कहा, 'दिवाली में पटाखे छूट रहे हैं लेकिन कुछ लोग राजनीति में पटाखे फोड़ने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन पटाखे फूस निकले। हम बम फोड़ने को तैयार हैं और लोग इसका समर्थन करेंगे।' वही, राज ठाकरे को लेकर कांग्रेस नेता ने काह कि ? देश में संविधान को न मानने वालों के साथ हम नहीं जाएंगे।

सम्पादकीय

लग्जरी लोकपाल कैसे बनेंगे भ्रष्टाचार विरोधी और सार्वजनिक जीवन में शुचिता की मिसाल?

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक सशक्त और स्वतंत्र संस्था के रूप में लोकपाल का गठन किया गया था। उद्देश्य स्पष्ट था– सत्ता के गलियारों में फैले भ्रष्टाचार पर नकेल कसना और सार्वजनिक जीवन मंर शुचिता को संस्थागत रूप देना। परंतु विडंबना देखिए कि आज वही संस्था, जिसके गठन से आम जनता ने पारदर्शिता और सादगी की उम्मीद की थी, अब अपनी छवि पर सवालों के घेरे में है। वजह है लोकपाल कार्यालय की ओर से सात बीएमडब्ल्यू 330ली एम स्पोर्ट कारों की खरीद के लिए जारी किया गया करोड़ों रुपये का निविदा आमंत्रण।

यह कदम न केवल नैतिक दृष्टि से सवाल खड़े करता है, बल्कि उस वैचारिक आधार को भी कमजोर करता है जिस पर लोकपाल की इमारत खड़ी की गई थी। जब संस्था का गठन हुआ था, तब लोग उम्मीद कर रहे थे कि लोकपाल सत्ताधारी वर्ग की जवाबदेही तय करेगा। लेकिन आज, जब लोकपाल खुद विलासिता की राह पर अग्रसर दिखाई देता है, तो यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह वही संस्था है जिसके लिए देश की जनता सड़कों पर उतरी थी?

हम आपको बता दें कि लोकपाल कार्यालय द्वारा जारी टेंडर में कहा गया है कि ये वाहन संस्थान के 'अध्यक्ष एवं सदस्यों' के उपयोग हेतु होंगे। सवाल यह है कि एक ऐसी संस्था, जिसे सार्वजनिक धन की शुचिता पर नजर रखनी चाहिए, वह खुद इतने महंगे वाहनों की खरीद को कैसे उचित ठहरा सकती है? जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश भी सामान्य सिडान कारों से कार्य कर सकते हैं, तब लोकपाल के लिए करोड़ों की जर्मन गाड़ियाँ क्यों आवश्यक हैं?

कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इसी तर्क को रेखांकित करते हुए पूछा है, 'जब सर्वोच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश साधारण गाड़ियों में चलते हैं, तो लोकपाल को बीएमडब्ल्यू की क्या आवश्यकता है?' यह प्रश्न केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक और प्रशासनिक संवेदनशीलता का भी है।

जनता के कर के पैसे से बनी संस्थाओं की जवाबदेही जनता के प्रति होती है। परंतु जब ऐसी संस्थाएँ अपने ही संसाधनों को विलासिता में व्यय करने लगें, तो यह संकेत है कि व्यवस्था में आत्ममुग्धता प्रवेश कर चुकी है। यह बात भी विचारणीय है कि अब तक लोकपाल ने कितने बड़े भ्रष्टाचार मामलों में कार्रवाई की है? वर्ष 2014 से लेकर अब तक, इस संस्था की उपलब्धियाँ नगण्य रही हैं। कई राज्यों में लोकायुक्त सक्रिय हैं, लेकिन राष्ट्रीय लोकपाल की भूमिका अधिकतर औपचारिक ही दिखी है। ऐसे में करोड़ों रुपये खर्च कर विलासिता का यह प्रदर्शन, न केवल नैतिक असंगति है, बल्कि जनता के विश्वास का भी दुरुपयोग है।

विपक्षी नेताओं के अलावा नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने भी इस निविदा पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि लोकपाल को यह टेंडर रद्द कर 'मेक इन इंडिया' की भावना के अनुरूप महिंद्रा या टाटा के इलेक्ट्रिक वाहनों का चयन करना चाहिए था। यह सुझाव केवल आर्थिक दृष्टि से नहीं, बल्कि पर्यावरणीय और सांस्कृतिक दृष्टि से भी सार्थक है। जब देश 'आत्मनिर्भर भारत' और 'ईवी मिशन' की दिशा में अग्रसर है, तब विदेशी विलासिता को अपनाना आत्मनिर्भरता की भावना के विपरीत है।

देखा जाये तो लोकपाल जैसी संस्था का नैतिक बल उसकी सादगी और ईमानदारी में निहित होता है। यदि वही संस्था आम जनता से कटकर अभिजात्य मानसिकता अपनाने लगे, तो उसका नैतिक अधिकार स्वतः कमजोर हो जाता है। यह केवल एक टेंडर का मामला नहीं है; यह उस सोच का प्रतीक है जिसमें 'सेवा' की जगह 'सुविधा' ने ले ली है।

बहरहाल, लोकपाल के गठन का मकसद भ्रष्टाचार से लड़ना था, न कि जनसंसाधनों से विलासिता का आनंद लेना। इस प्रकरण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि यदि संस्थाएँ अपने आदर्शों से विचलित हों, तो वह जनता की नज़र में अपनी विश्वसनीयता खो देती हैं। लोकपाल को चाहिए कि वह इस निर्णय पर पुनर्विचार करे, निविदा को रद्द करे और एक बार फिर उस सादगी की राह पर लौटे, जिसकी प्रेरणा से उसका जन्म हुआ था।

सच्चाई यह है कि भ्रष्टाचार केवल धन के लेनदेन से नहीं, बल्कि मानसिकता से शुरू होता है। जब शुचिता की प्रतीक संस्था ही विलासिता की प्रतीक बन जाए, तो यह केवल विडंबना नहीं, बल्कि चेतावनी है– उस आदर्श की, जो धीरे-धीरे धुंधला पड़ता जा रहा है।

बिहार में भाजपा ने यादव उम्मीदवारों की संख्या घटाई तो जद (यू) ने मुस्लिमों को कम टिकट दिये, एनडीए की रणनीति में आया दिलचस्प मोड़

बिहार विधानसभा चुनावों से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने अपने उम्मीदवार चयन में एक स्पष्ट रणनीतिक मोड़ लिया है। जहां पिछली बार भाजपा और जद (यू) दोनों दल यादव समुदाय को साधने की कोशिश में लगे थे, वहीं इस बार उन्होंने उस सामाजिक प्रयोग से पीछे हटकर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को सुदृढ़ करने पर ध्यान केंद्रित किया है। भाजपा ने इस बार केवल 6 यादव उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि 2020 में यह संख्या 16 थी। इसी तरह नीतीश कुमार की जद (यू) ने भी यादव प्रत्याशियों की संख्या 18 से घटाकर 8 कर दी है। इसकी बजाय भाजपा ने कई सीटों पर कुशवाहा, निशाद और वैश्य समुदायों को टिकट देकर संकेत दिया है कि पार्टी अब गैर-यादव पिछड़ों और परंपरागत उच्च जातियों पर भरोसा बढ़ा रही है।

इसके अलावा, जद (यू) ने अपने मुस्लिम प्रत्याशियों की संख्या भी 11 से घटाकर केवल 4 कर दी है। यह इस बात का प्रमाण है कि अब वह यह मानकर चल रही है कि मुस्लिम मतदाता स्थायी रूप से राजद खेमे में जा चुके हैं। नीतीश की पार्टी ने 25 टिकट कुर्मी-कोयरी (कुशवाहा) जातियों को और 22-22 टिकट ऊँची जातियों व अत्यंत पिछड़े वर्गों को दिए हैं।

हम आपको बता दें कि 2014 के बाद से भाजपा ने लगातार प्रयास किया कि वह बिहार में

यादव और मुस्लिमों जैसे पारंपरिक रूप से राजद समर्थक वर्गों में सेंध लगाए। 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने कई यादव उम्मीदवार उतारकर यह संकेत दिया था कि वह 'लालू के यादव वोट बैंक' को तोड़ने के लिए तैयार है। परंतु वास्तविकता यह है कि यादव समुदाय ने राजद से अपनी निष्ठा नहीं तोड़ी– बल्कि 2024 के लोकसभा चुनावों में उसने और मजबूती से इंडिया गठबंधन के साथ खड़ा होना चुना।

यही कारण है कि भाजपा और जद (यू) दोनों ने अब अपने प्रयोगों को सीमित कर दिया है। भाजपा ने स्पष्ट रूप से यह मान लिया है कि 'यादव-मुस्लिम समीकरण' को तोड़ना अब निकट भविष्य में संभव नहीं। इसलिए पार्टी ने अपना ध्यान 'कोर वोट बैंक', यानी उच्च जातियों, गैर-यादव ओबीसी, ईबीसी और अनुसूचित जातियों के भीतर एक मजबूत एकजुटता बनाने पर केंद्रित कर दिया है।

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह वही फार्मूला है जिसने भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनावों में बिहार में बड़ी सफलता दिलाई थी। तब एनडीए ने गैर-यादव पिछड़ों और दलितों के बीच जातीय रेखाओं को पार करते हुए 'नरेंद्र मोदी बनाम लालूवाद' का नारा उभारा था। अब वही रणनीति बिहार विधानसभा चुनावों में दोहराई जा रही है– बस अधिक संगठित रूप में।

दूसरी ओर, राजद ने भी अपने हिस्से का सबक सीख लिया है। पार्टी को यह एहसास हो गया है कि केवल यादव-मुस्लिम समीकरण, जिसकी नींव लालू प्रसाद यादव ने 1990 के दशक में रखी थी, अब सत्ता वापसी के लिए पर्याप्त नहीं है। इसलिए इस बार राजद ने अति पिछड़ों, दलितों और महिलाओं को भी अपने गठबंधन में जगह देने की कोशिश की है।

तेजस्वी यादव का प्रयास है कि वह 'सामाजिक न्याय' की पुरानी अवधारणा को 'नव-समाजवाद' के नए संस्करण में ढालें, यानी आर्थिक असमानता और बेरोजगारी को जातीय सीमाओं से ऊपर उठाकर नया जनाधार बनाएं। परंतु एनडीए का 'सामाजिक संकेंद्रण मॉडल' इस कोशिश के लिए एक सीधी चुनौती है क्योंकि भाजपा और जद (यू) अब उन वर्गों में पैठ बना चुके हैं जो कभी लालू के 'पिछड़ा-आधारित गठबंधन' की आत्मा थे।

उधर, नीतीश कुमार की जद (यू) इस बार अधिक असुरक्षित स्थिति में है। पार्टी ने जब 2022 में एक बार फिर भाजपा के साथ हाथ मिलाया, तब से उसके मुस्लिम वोटर लगभग पूरी तरह छिटक चुके हैं। अब नीतीश का भरोसा अपने जातीय आधार कुर्मी-कोयरी वोट बैंक और भाजपा समर्थक ऊँची जातियों पर है। लेकिन नीतीश के सामने दुविधा यह भी है कि भाजपा की बढ़ती संगठनात्मक ताकत उनके पारंपरिक इलाकों में भी सेंध लगा रही है। ऐसे में जद (यू) के लिए यह चुनाव 'जीत की रणनीति' से अधिक 'अस्तित्व की परीक्षा' बन गया है।

भविष्य का परिदृश्य देखें तो बिहार के इस चुनावी मैदान में दो समानांतर रणनीतियाँ आमने-सामने हैं। पहली है एनडीए की रणनीति। इसके तहत कम दायरे में परंतु मजबूत और अनुशासित वोट बैंक को संगठित किया जा रहा है। दूसरी है राजद-इंडिया गठबंधन की रणनीति। इसके तहत पारंपरिक आधार को बरकरार रखते हुए नए सामाजिक समूहों को जोड़ने का प्रयास चल रहा है। यदि एनडीए का 'कोर वोट बैंक मॉडल' सफल होता है, तो यह बिहार की राजनीति में 'यादव-मुस्लिम एकाधिकार' के दौर का अंत हो सकता है। वहीं अगर राजद का 'विस्तारित गठबंधन' काम कर जाता है, तो यह संदेश जाएगा कि बिहार की राजनीति अब धर्म या जाति की संकीर्ण रेखाओं से बाहर निकलने लगी है।

बिहार का जनादेश किस दिशा में जाएगा? यदि इस सवाल की पड़ताल करें तो उभर कर आता है कि बिहार चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिनिधित्व के नए संतुलन का चुनाव है। भाजपा-जद (यू) गठबंधन की यह रणनीति बताती है कि एनडीए अब प्रयोग नहीं, स्थायित्व चाहता है– चाहे इसके लिए उसे सामाजिक विस्तार का कुछ हिस्सा क्यों न छोड़ना पड़े। यह रणनीति अल्पकालिक रूप से कारगर हो सकती है क्योंकि एनडीए के पास अब भी ऊँची जातियों, गैर-यादव पिछड़ों और दलित वर्गों का ठोस समर्थन है। परंतु दीर्घकाल में यह मॉडल तभी टिकेगा जब इन वर्गों की आकांक्षाएँ केवल जातीय संतुलन नहीं, बल्कि विकास और रोजगार की ठोस उपलब्धियों से जुड़ सकें।

बहरहाल, बिहार की राजनीति इस बार जातीय गणित से ज्यादा रणनीतिक मनोविज्ञान पर निर्भर करेगी। एनडीए का नारा है– 'स्थिरता और सुशासन', जबकि राजद का नारा है– 'न्याय और अवसर।' अब देखना यह है कि बिहार की जनता किस वादे को अधिक विश्वसनीय मानती है– स्थायित्व का वादा या परिवर्तन का सपना।

हर कॉल के बाद झूठा दावा करने वाले ट्रंप से क्या मोदी को आसियान सम्मेलन में मिलना चाहिए?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ऐसा बयान दिया है जिसने न केवल कूटनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है, बल्कि यह भी दिखाया है कि वाशिंगटन की राजनीति में भारत का उल्लेख प्रायः घरेलू उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जाता है। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीपावली समारोह के दौरान दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें भरोसा दिलाया है कि भारत रूस से बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेगा। उन्होंने कहा, 'मोदी ने बताया है कि भारत अब रूस से बहुत ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा। वे भी चाहते हैं कि यूक्रेन युद्ध समाप्त हो।' वहीं बातचीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन करने और दिवाली की शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस पर्व पर दोनों महान लोकतंत्र दुनिया को आशा की किरण दिखाते रहें और आतंकवाद के सभी रूपों के खिलाफ एकजुट रहें।''

गौर करने वाली बात यह है कि मोदी और ट्रंप के बीच 16 सितंबर के बाद से फोन पर हुई यह तीसरी बातचीत है जिसकी सार्वजनिक रूप से जानकारी दी गयी है। सार्वजनिक जानकारी में जहां प्रधानमंत्री मोदी ने ऐसी कोई बात नहीं कही है जिससे यह प्रदर्शित होता हो कि रूसी तेल को लेकर दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत हुई तो वहीं ट्रंप ने अपने बयान में रूसी तेल खरीद को लेकर फिर से अपना पुराना दावा दोहरा दिया है। हम आपको बता दें कि मंगलवार रात को ट्रंप ने दिवाली समारोह का आयोजन किया था जिसमें अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा और कई प्रमुख भारतीय मूल के व्यापारिक नेता शामिल हुए। समारोह में अपने संबोधन में ट्रंप ने फिर से अपना यह दावा दोहराया कि भारत, रूस से कच्चा तेल नहीं खरीदेगा। देखा जाये तो यह दावा न तो भारत सरकार की किसी आधिकारिक घोषणा में परिलक्षित होता है और न ही वैश्विक तेल बाजार के आँकड़े इसे पुष्ट करते हैं। तेल व्यापार जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि भारत की रूसी तेल खरीद में कोई विशेष कमी नहीं आई है; अधिकांश सौदे पहले से तय अनुबंधों के अंतर्गत चल रहे हैं।

देखा जाये तो ट्रंप के इस वक्तव्य के दो प्रमुख पहलू हैं– पहला, यह कि वह 'आश्वासन' का दावा कर रहे हैं, जबकि भारत ने ऐसा कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया है। दूसरा, ट्रंप ने खुद अपने पहले के दावे को थोड़ा नरम करते हुए कहा कि भारत पूरी तरह नहीं, 'काफी कम' तेल खरीदेगा। यह बदलाव संकेत देता है कि या तो उन्हें पहले गलत जानकारी दी गई थी, या वे जानबूझकर ऐसी बातें करते हैं जो घरेलू राजनीतिक संदेशों के लिए उपयोगी हों।

दूसरी ओर, भारत ने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि उसकी ऊर्जा नीति 'राष्ट्रीय हित' से संचालित होती है और जब तक पश्चिमी प्रतिबंध भारत पर लागू नहीं हैं, वह सस्ते रूसी कच्चे तेल का आयात जारी रखेगा। ऐसे में ट्रंप के बयान का कोई तथ्यात्मक आधार नहीं दिखता।

वैसे यह पहली बार नहीं है जब डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत का हवाला देते हुए भ्रामक या अतिशयोक्तिपूर्ण दावा किया हो। ट्रंप की राजनीति में 'सुपर डीलमेकर' की छवि बनाये रखना आवश्यक है। वह हर अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल को 'एक बड़ी डील' के रूप में प्रस्तुत करते हैं ताकि अमेरिकी मतदाताओं को लगे कि वह विश्व मंच पर 'अमेरिका फर्स्ट' नीति को सफल बना रहे हैं। भारत जैसे बड़े लोकतंत्र के साथ मित्रवत संबंध उनके लिए प्रचार का सबसे आसान माध्यम है– क्योंकि यहां का प्रवासी भारतीय समुदाय अमेरिकी चुनावी परिदृश्य में एक प्रभावशाली वर्ग बन चुका है।

उधर, प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह स्थिति नाजुक है। भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक संबंध गहरे हो रहे हैं– क्वॉड, इंडो-पैसिफिक और तकनीकी सहयोग जैसे क्षेत्रों में दोनों देश निकटता

बढ़ा रहे हैं। लेकिन जब अमेरिकी राष्ट्रपति बार-बार ऐसे 'फर्ज़ी या अधूरे' दावे करते हैं जो भारत की संप्रभु नीति पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं, तो दिल्ली की प्रतिक्रिया केवल शालीन मौन तक सीमित नहीं रह सकती। भारत का विदेश मंत्रालय अब तक ट्रंप के बयानों पर 'नो कमेंट' नीति अपनाता आया है, किंतु इससे यह जोखिम रहता है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अमेरिकी दावा धीरे-धीरे 'स्वीकार्य धारणा' बन सकता है। इसीलिए, भारत को स्पष्ट रूप से यह संकेत देना चाहिए कि ऊर्जा नीति या रूस से व्यापार जैसे निर्णय किसी बाहरी दबाव के अधीन नहीं लिए जाते।

अब सवाल उठता है कि क्या ट्रंप के ऐसे भ्रामक दावों के बीच मोदी का उनसे मिलना ठीक रहेगा? हम आपको बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप की संभावित भेंट अगले सप्ताह मलेशिया में होने वाले आसियान सम्मेलन के दौरान हो सकती है। यह बैठक औपचारिक रूप से तय नहीं है, किंतु अगर होती है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या मोदी को ऐसे नेता से मिलना चाहिए जो हर बार बातचीत को 'घरेलू प्रचार' का हथियार बना देता है?

देखा जाये तो कूटनीति में संबंध बनाए रखना और गरिमा बचाए रखना दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। भारत अमेरिका से संबंध तोड़ नहीं सकता– लेकिन यह भी उतना ही आवश्यक है कि वह किसी भी मंच पर अपनी नीति को 'सहभागी' की तरह प्रस्तुत करे, 'उपसंहारक' की तरह नहीं। मोदी सरकार को इस भेंट को 'औपचारिक संवाद' के स्तर तक सीमित रखना चाहिए और किसी भी संयुक्त बयान में ऐसे शब्दों से बचना चाहिए जिन्हें ट्रंप बाद में अपने राजनीतिक लाभ के लिए तोड़-मरोड़ सकें।

इसमें कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड ट्रंप की शैली त्वरित, आत्म-केन्द्रित और प्रचारमुखी है। वह हर वार्ता को 'शो' में बदल देते हैं। भारत जैसे परिपक्व लोकतंत्र के लिए ऐसे प्रदर्शनों में भागीदार बनना न तो आवश्यक है, न लाभकारी। भारत को अपने हित में, अपने स्वर में और अपने तथ्यों के आधार पर बोलना चाहिए। अमेरिकी राष्ट्रपति के 'दीपावली डिप्लोमेसी' में शामिल होना तो ठीक है, पर उनके 'फर्जी तेल-सत्य' के खेल में नहीं। अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी शक्ति वही होती है जो अपने शब्दों पर टिकी रह सके और भारत को यही दिखाना होगा कि उसकी नीतियाँ किसी 'ट्रंप टेलीफोन कॉल' से नहीं, बल्कि उसकी अपनी ऊर्जा, रणनीति और आत्मविश्वास से संचालित होती हैं।

अमित शाह हैं संकटमोचन, संगठनशिल्पी और लौहपुरुष

भारत की राजनीति में कुछ नाम ऐसे होते हैं जो केवल पदों से नहीं, अपने कर्म, दृष्टि, दृढ़ता, संकल्प और राष्ट्रभावना से पहचान पाते हैं। अमित अनिलचंद्र शाह ऐसा ही एक नाम है-संघर्षों में तपे, संगठन के शिल्पी और राष्ट्र की सुरक्षा एवं एकता के प्रहरी। एक प्रभावशाली और कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में, अमित शाह का भारतीय राजनीति में एक प्रमुख स्थान है। गृह एवं सहकारिता मंत्री के रूप में उन्होंने भारत की आंतरिक सुरक्षा, सामाजिक एकता और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में जो क्रांतिकारी एवं युगांतकारी कार्य किए हैं, वे उन्हें हमारे समय का 'लौहपुरुष' सिद्ध करते हैं-सरदार वल्लभभाई पटेल की परंपरा के सच्चे उत्तराधिकारी। निश्चित ही शाह एक युगांतरकारी एवं युग-निर्माता लोकनायक हैं। उन्हें अक्सर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करीबी सहयोगी, कुशल शासक और पार्टी के लिए एक प्रमुख चुनावी रणनीतिकार माना जाता है। एक किशोर के रूप में, वह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में शामिल हो गए। यहीं से उनके राजनीतिक सफर की शुरुआत हुई। 1987 में वह भाजपा के युवा मोर्चा के सदस्य बने। गुजरात में नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान, अमित शाह एक शक्तिशाली नेता के रूप में उभरे। उन्होंने कई महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले, जिनमें गृह, कानून और न्याय और परिवहन शामिल थे।

अमित शाह ने सहकारिता मंत्रालय को मात्र एक विभाग नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के पुनर्जागरण का आंदोलन बना दिया। उनकी दृष्टि में सहकारिता केवल आर्थिक संरचना नहीं, बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' का व्यवहारिक दर्शन है। उन्होंने शक्कर कारखानों से लेकर डेयरी, कृषि-उद्योग, बीज उत्पादन और विपणन तक सहकारिता को एक नई गति दी। देश के पहले राष्ट्रीय सहकारिता नीति मसौदे की तैयारी, पीएसी के डिजिटलीकरण और 200, 000 प्राथमिक कृषि साख समितियों को मल्टी-डायमेंशनल मॉडल में बदलने की दिशा में उनका काम ऐतिहासिक है। उनके नेतृत्व में सहकारिता अब आत्मनिर्भर भारत की रीढ़ बन चुकी है, जहाँ किसान केवल उत्पादक नहीं, बल्कि साझेदार हैं। अमित शाह ने सहकारिता को नई भाषा दी-'सहकार से समृद्धि'।

भारत के भीतरी हिस्सों में दशकों से नक्सलवाद ने भय, असुरक्षा और विकासहीनता का माहौल बनाया था। अमित शाह के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने 'समग्र रणनीति' के तहत नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में निर्णायक कार्रवाई की। कानून-व्यवस्था, खुफिया सूचना और स्थानीय विकास के त्रिस्तरीय ढांचे पर आधारित इस नीति ने नक्सलवाद को जड़ों से हिला दिया। आज भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नक्सल क्षेत्र शांति के मार्ग पर लौट रहे हैं, निकट भविष्य में भारत नक्सल मुक्त राष्ट्र बन जायेगा, यह अमित शाह की सूझबूझ, संकल्प और दृढ़ता का परिणाम है। उनका विश्वास रहा-'गोलियों से नहीं, विकास और संवाद से आतंक मिटाया जा सकता है।' उनकी अलग कार्यशैली की झलक अध्यक्ष बनने के बाद से ही पार्टी को दिखने लगी थी। अमित शाह का नाम जम्मू-कश्मीर के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। उनकी रणनीति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अनुच्छेद 370 का हटाया जाना केवल एक संवैधानिक निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अखंडता का संकल्प था। यह उस विभाजनकारी मानसिकता पर अंतिम प्रहार था जिसने वर्षों तक कश्मीर को अलगाव की आग में झोंक रखा था। आज घाटी में तिरंगा गर्व से लहराता है, पर्यटन और निवेश के नए द्वार खुल रहे हैं, और युवाओं में आत्मविश्वास लौट रहा है-यह अमित शाह की निर्भीक राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है। उन्होंने संसद में कहा था-'कश्मीर भारत का मुकुट है, और जब तक इसकी हर घाटी में शांति और विकास नहीं आता, तब तक हमारा प्रयास अधूरा रहेगा।' शाह की कार्यशैली में सबसे अहम है कि किसी चीज को पहले से भांपने की। कश्मीर से 370 हटाने का मामला हो या फिर किसी चुनावी रणनीति की तैयारी, उन्हें अंदाजा हो जाता है कि किस मोहरे को कहां बिठाना है। इसी का असर है कि अनुच्छेद 370 हटाने के बाद अब तक कश्मीर में शांति एवं वहां शांतिपूर्ण चुनाव का होना है तो अयोध्या जैसे सदियों के विवाद का अंत शांतिपूर्ण तरीके से हो जाना है। गृह मंत्री के रूप में अमित शाह ने देश की सुरक्षा व्यवस्था को नई ऊँचाई दी। आतंकी नेटवर्क के विरुद्ध कड़े कानून, एनआईए की शक्ति में वृद्धि, सीमा सुरक्षा में तकनीकी नवाचार और पुलिस सुधारों की नई पहल-इन

सबने भारत की आंतरिक मजबूती को सुदृढ़ किया है। उन्होंने 'शून्य सहनशीलता नीति' को व्यवहार में उतारा। चाहे दिल्ली दंगे हों या सीमा पार आतंकवाद की चुनौती-हर परिस्थिति में उनका निर्णय तेज, संतुलित और राष्ट्रहित में रहा। उनके कार्यकाल में भारत में आंतरिक सुरक्षा का सबसे स्थिर दौर देखा जा रहा है, जहाँ आतंक, नक्सलवाद और अलगाववाद तीनों पर नियंत्रण स्थापित हुआ है। राजनीतिक दृष्टि से अमित शाह को 'मोदी के हनुमान' कहा जाता है, क्योंकि वे न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे विश्वसनीय सहयोगी हैं, बल्कि उनकी दृष्टि को व्यवहार में उतारने वाले कर्मयोद्धा भी हैं। 2014 से 2020 तक, उन्होंने भाजपा के 10वें अध्यक्ष के रूप पार्टी को 70 से अधिक देशों के बराबर सदस्य संख्या वाला विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक संगठन बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में उनकी रणनीति, संगठन और जनसंपर्क ने भाजपा को ऐतिहासिक विजय दिलाई। उनके रणनीतिक कौशल ने पार्टी को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुँचाया। लेकिन उनकी पहचान राजनीति से परे है-वे राष्ट्रीय एकता के संरक्षक, सुरक्षा के प्रहरी और सहकारिता के संचारक हैं।

अमित शाह ने संगठन के बाद सरकार में भी अपनी कौशल क्षमता का लोहा मनवाया तो जब भी संसदीय इतिहास में भारत के मोदीमय होने की गाथा का वर्णन होगा, उसमें 'चाणक्य नीति' की तरह 'शाह नीति' का जिक्र स्वाभाविक होगा। अमित शाह की यह रणनीति पार्टी नेताओं को भी तब समझ आई जब चुनावों के आधिकारिक पोस्टरों-बैनरों पर भी शाह की तस्वीर नजर नहीं आई, दरअसल वे पूरे चुनाव को मोदीमय करने की 'शाह नीति' थी। इसलिए शाह ने एक स्पष्ट निर्णय लिया कि प्रचार सामग्रियों पर सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही होंगे। आधुनिक राजनीति का चाणक्य कहें या फिर मोदी के भरोसेमंद सारथी, इसी खास सोच की वजह से भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की यह अमिट पहचान बन चुकी है।

अमित शाह को एक उत्कृष्ट संगठक और अभियान रणनीतिकार माना जाता है। उनके समर्थक उन्हें हिंदू धर्म का महान रक्षक मानते हैं, जबकि उनके आलोचक उन्हें एक ध्रुवीकरण करने वाली शख्सियत के रूप में देखते हैं। वह अपनी राजनीतिक कुशलता और जमीन से जुड़कर काम करने के लिए जाने जाते हैं। अमित शाह का राजनीतिक करियर उनके रणनीतिक कौशल, संगठन क्षमता और कठोर निर्णय लेने की प्रवृत्ति को दर्शाता है। एक छोटे कार्यकर्ता से लेकर देश के गृह मंत्री तक का उनका सफर भारतीय राजनीति में उनके मजबूत प्रभाव का प्रमाण है। वह भविष्य में भी भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बने रहने की संभावना है। अमित शाह का व्यक्तित्व सरदार वल्लभभाई पटेल की स्मृति को सजीव करता है। जहाँ पटेल ने रियासतों का विलय किया, वहाँ शाह ने विचारों का एकीकरण किया। जहाँ पटेल ने लौह इच्छाशक्ति से भारत का नक्शा जोड़ा, वहाँ शाह ने अखंड भारत की भावना को राजनीतिक और सामाजिक धरातल पर साकार किया। उनके जीवन का सूत्रवाक्य रहा है-'व्यक्ति नहीं, राष्ट्र सर्वोपरि।' शाह ने राष्ट्रवाद को सर्वोपरि रखा तो 'काम रुके ना, देश झुके ना' के नारे के साथ विकास को भी उसमें जोड़ा। चुनौतियों से जूझने की उनकी छवि ही उन्हें जुझारू और लक्ष्य के प्रति जुनूनी बनाती रही है।

अमित शाह की कार्यशैली अनूठी एवं विलक्षण है, वे जब कोई काम हाथ में लेते हैं तो स्पष्ट लक्ष्य सामने होता है और उसके हिसाब से रणनीति पर काम करते हैं। भले नतीजे पक्ष में आए या खिलाफ, इसकी परवाह नहीं करते। उनका विजन स्पष्ट रहता है और नतीजों के बजाए काम करने पर फोकस रहता है। इसलिए मोदी-शाह की जोड़ी हर चुनाव को युद्ध के रूप में लड़ने के लिए जानी जाती है। शाह का मानना है कि संगठन को हमेशा 24 घंटे 365 दिन गतिशील रखना चाहिए। यह काम वे अपने पांच दशक के राजनीतिक सफर में, वार्ड के बूथ प्रभारी के तौर से करते रहे हैं। गीत-संगीत के शौकीन शाह निदा फाजली के प्रशंसकों में से हैं। खाने-पीने के शौकीन जरुर हैं, लेकिन संयमित और अनुशासित भोजन ही लेते हैं। अमित शाह केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि एक युग का नेतृत्व करने वाले कर्मयोगी हैं। उनकी राजनीति में चातुर्य नहीं, दृष्टि है; उनके निर्णयों में कठोरता नहीं, राष्ट्रभक्ति की गहराई है। चाहे सहकारिता का नवजागरण हो, सुरक्षा का सुदृढ़ीकरण या कश्मीर का एकीकरण-हर क्षेत्र में उन्होंने यह सिद्ध किया है कि यदि नीयत सच्ची हो और दृष्टि व्यापक तो कोई भी परिवर्तन असंभव नहीं।

आंगनबाड़ी घोटाला: बिना आंगनबाड़ी बनाए उड़ाई रकम, अब होगा खाता फ्रीज

प्रयागराज। पंचायतों में काली कमाई के लिए अजब-गजब खेल चल रहा है। जिले की दो पंचायतों भंडरा उमरपुर के प्रधान मो. इमरान और सारंगापुर के प्रधान सुधीर यादव ने बिना आंगनबाड़ी केंद्र बनाए ही पंचायत के खाते से लाखों रुपये की राशि निकाल ली। जब शिकायत पर अफसर जांच के लिए पहुंचे तो सच्चाई सामने आई। अब प्रधानों का खाता फ्रीज करने के लिए कवायद शुरू कर दी गई है।

बता दें, जिले की भंडरा उमरपुर में तीन और सारंगापुर ग्राम पंचायत में एक आंगनबाड़ी केंद्र बनाने की स्वीकृति हुई थी। इसके लिए शासन ने बजट भी दिया, प्रस्ताव पर पंचायती राज विभाग की ओर से ग्राम सभा के खाते में भेज भी दी गई। लेकिन यहां पर एक भी आंगनबाड़ी केंद्र का निर्माण कराया ही नहीं गया। जब इसकी शिकायत की गई तो डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी खुद मौके पर पहुंचे।

डीपीआरओ रवि शंकर द्विवेदी ने बताया कि शनिवार को दोनों ग्राम पंचायतों का निरीक्षण कर आंगनबाड़ी केंद्र के बारे में पूछा तो मालूम चला कि केंद्र तो कागजों में हैं। यहां पर आंगनबाड़ी केंद्र नहीं बने हैं, जबकि प्रधानों ने कुल चार केंद्र के रुपये खाते से निकाल लिए है। अब प्रधानों का खाता फ्रीज किया जा रहा है।

डीआईजी मेडिकल ने संयुक्त चिकित्सालय में मनाया दीपावली का पर्व

मरीजों को वितरित किए मिष्ठान व फल, जगमगाया अस्पताल परिसर

मंत्र भारत संवाददाता

थरवई (प्रयागराज)। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पण्डिला स्थित संयुक्त चिकित्सालय में दीपावली का पर्व उल्लासपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर डीआईजी मेडिकल डॉ. विनय कुमार अग्रवाल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.सी. यादव ने संयुक्त रूप से मरीजों को मिष्ठान एवं फल वितरित कर उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की।दीपावली पर्व के उपलक्ष्य में पूरे अस्पताल परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों की झालरों से पूरा परिसर जगमगा उठा। दीपों की लौ से अस्पताल का वातावरण श्रद्धा और आनंद से परिपूर्ण दिखाई दिया।

इस अवसर पर डीआईजी डॉ. विनय कुमार अग्रवाल ने कहा कि दीपावली का पर्व अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। यह त्यौहार हमें एक-दूसरे के जीवन में खुशियां बांटने और सकारात्मकता फैलाने का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि बीमारी से जूझ रहे मरीजों के बीच यह छोटा सा प्रयास उनके चेहरे पर मुस्कान लाने और मनोबल बढ़ाने के लिए किया गया है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बी.सी. यादव ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन न केवल मानवीय संवेदना को मजबूत करते हैं बल्कि चिकित्सालय और मरीजों के बीच आत्मीयता का भाव भी जगाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सीआरपीएफ के अन्य अधिकारी, चिकित्सकगण एवं निरीक्षक प्रहलाद कुमार कोक सहित नर्सिंग अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे स्टाफ उपस्थित रहे।

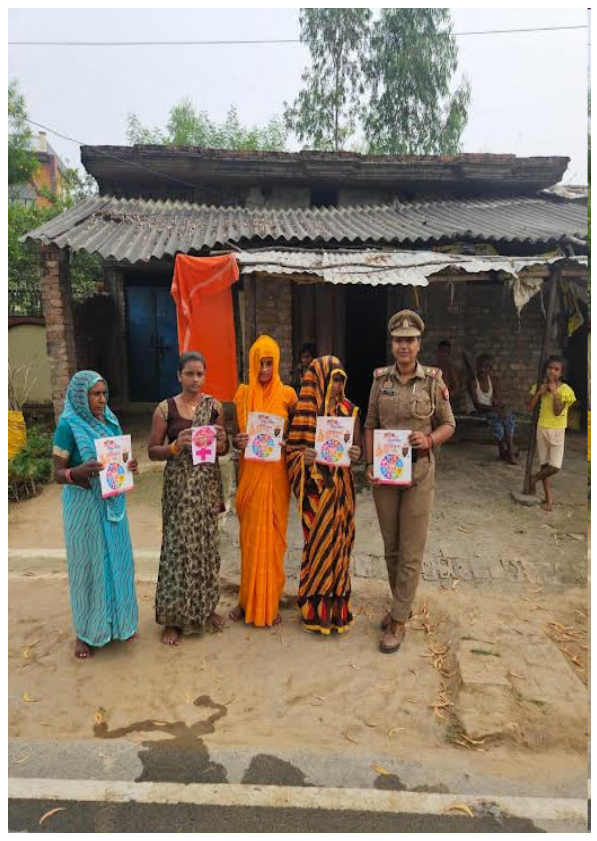

कमिश्नरेट प्रयागराज यमुनानगर जोन अंतर्गत थाना कौंधियारा, मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र में जाकर बालिकाओं एवं महिलाओं को मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत नारी स्वाभिमान, सुरक्षा और स्वाबलंबन का संदेश देते हुए जागरुकता अभियान चलाया गया। जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन-1090, 112, 1098, 1076 आदि के बारे में जानकारी दी गई।

कमिश्नरेट प्रयागराज यमुनानगर जोन अंतर्गत थाना बारा, मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र में जाकर बालिकाओं एवं महिलाओं को मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत नारी स्वाभिमान, सुरक्षा और स्वाबलंबन का संदेश देते हुए जागरुकता अभियान चलाया गया। जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन-1090, 112, 1098, 1076 आदि के बारे में जानकारी दी गई।

बिजली विभाग की बड़ी चूक, करंट लगने से मूर्तिकार की मौके पर मौत

प्रयागराज। बिजली विभाग की लापरवाही कीडगंज निवासी एक मूर्तिकार के लिए जानलेवा साबित हो गई। खुले पैनल बॉक्स से करंट लगने से उसकी मौत हो गई। घटना से स्थानीय लोगों में आक्रोश है। लोगों का आरोप है कि खुले बॉक्स की कई बार शिकायत की गई थी लेकिन बिजली विभाग ने ध्यान नहीं दिया। मूर्तिकार की पत्नी ने बिजली विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कीडगंज पुलिस को तहरीर देने की बात कही है।

हौली वाली गली कीडगंज निवासी 40 वर्षीय राजन प्रजापति मिट्टी की मूर्तियां बनाते थे। मंगलवार रात लगभग नौ बजे वह घर के पास ही स्थित दुकान पर सामान खरीदने गए थे। लौटते समय सड़क किनारे लगे खंभे के केबल में पैर फंसने से वह लड़खड़ा कर गिरे तो उनका हाथ ट्रांसफार्मर के खुले पैनल बॉक्स में घुस गया और करंट लगने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना से मौके पर हड़कंप मच गया। परिजन भी रोते-बिलखते पहुंच गए।

बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए लोग हंगामा करने लगे। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राजन के परिवार में पत्नी ज्योति, तेरह वर्ष का एक बेटा और सात वर्ष की एक बेटी है। थाना प्रभारी कीडगंज संजय सिंह ने बताया कि उन्हें कोई तहरीर नहीं मिली है। परिजनों ने इत्तेफाकिया प्रार्थना पत्र दिया था।

कमिश्नरेट प्रयागराज यमुनानगर जोन अंतर्गत थाना कोरांव, मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र में जाकर बालिकाओं एवं महिलाओं को मिशन शक्ति 5 अभियान के तहत नारी स्वाभिमान, सुरक्षा और स्वाबलंबन का संदेश देते हुए जागरुकता अभियान चलाया गया। जागरूक करते हुए विभिन्न हेल्पलाइन-1090, 112, 1098, 1076 आदि के बारे में जानकारी दी गई।

साइकिल की दुकान में लगी आग ग्रामीणों ने पानी डालकर आग बुझाया

थरवई (प्रयागराज)। थरवई थाना क्षेत्र के 40 नंबर गोमती पर सोमवार देर रात साइकिल की दुकान में अचानक आग लग गई। घटना रात करीब 11:15 बजे की है। आग लगने के समय दुकान मालिक दुकान के बाहर ही सो रहा था। जानकारी के अनुसार, भरथी का पूरा गांव निवासी कल्लू भारतीया लोहे की गोमती के आगे छप्पर डालकर साइकिल मरम्मत की दुकान चलाता है और इसी से अपने परिवार का गुजर-बसर करता है। देर रात अज्ञात कारणों से दुकान में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।धुआं उठता देख आसपास के लोगों ने शोर मचाया और मौके पर पहुंचकर किसी तरह आग में पानी डालकर बुझाया आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। थरवई पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर रही हैं।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट दोनों ओर से दो लोग घायल

थरवई (प्रयागराज)। क्षेत्र के रघुनाथपुर गांव में बुधवार की सुबह जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद मारपीट हो गई। लाठी-डंडों से हुए संघर्ष में दोनों ओर से दो लोग घायल हो गए।जानकारी के अनुसार, गांव निवासी महेंद्र कुमार पुत्र रामखेलावन का पड़ोसी संतोष कुमार संजय यादव पुत्र प्यारेलाल से जमीन को लेकर विवाद काफी दिनों से चल रहा है। बुधवार को विपक्षी संतोष आदि विवादित भूमि पर बने खड़ंजे को उखाड़कर कर कब्जा करने की नीयत से निर्माणशुरू कर दिया महेंद्र कुमार ने इसका विरोध किया तो बात बढ़ गई और देखते-देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। लाठी-डंडों से हुई मारपीट में महेंद्र कुमार दूसरे पक्ष से संतोष कुमार घायल हो गए। ग्रामीणों की सूचना पर एंबुलेंस की मदद से घायलों को इलाज के लिएचिकित्सालय ले जाया गया है थरवई पुलिस घटना की जांच में जुटी हुई है।

परमार्थ निकेतन की ओर से गोवर्धन पूजा व अन्नकूट महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएँ

विश्व के अनेक देशों से आये साधकों, यात्रियों और पर्यटकों ने अन्नकूट और गौपूजन में सहभाग किया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/ऋषिकेश। परमार्थ निकेतन में गोवर्धन पूजा और अन्नकूट महोत्सव का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। यह पर्व धार्मिक आस्था के प्रतीक के साथ हमें प्रकृति और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का भी स्मरण कराता है। परमार्थ निकेतन की ओर से देशवासियों को इस शुभ अवसर पर अनेकानेक शुभकामनाएँ।

गोवर्धन पूजा, प्रकृति और उसके संसाधनों का सम्मान का संदेश देती है। प्रकृति संरक्षण हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि 'प्रकृति बचेगी तो संस्कृति बचेगी।'

आज के दिन घरों में गोवर्धन की झाँकी सजाई जाती है और पूजा-अर्चना के साथ प्रतिकात्मक गोवर्धन की पूजा की जाती है। यह पर्व प्रकृति के प्रति श्रद्धा और आदर की भावना को प्रकट करता है।

गोवर्धन पूजा के अवसर पर अन्नकूट महोत्सव का आयोजन विशेष रूप से किया जाता है। अन्नकूट अर्थात् 'अन्न का पर्व' 'खाद्य सामग्री का भंडार।' इस दिन अनेक प्रकार के व्यंजन, शुद्ध अनाज, फल और मिठाइयाँ भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत को भोग रूप में अर्पित की जाती हैं। यह महोत्सव केवल भौतिक भोजन का नहीं, बल्कि आध्यात्मिक समृद्धि और विश्व कल्याण का प्रतीक है।

अन्नकूट महोत्सव के माध्यम से परमार्थ निकेतन में विश्व की समृद्धि और खुशहाली के लिए विशेष पूजा का आयोजन किया गया। जिसके माध्यम से संदेश दिया कि हम अपने जीवन में 'प्रकृति का संरक्षण और संतुलन बनाए रखना' कभी न भूलें। यह महोत्सव समाज में एकता, सहयोग और भाईचारे की भावना को भी प्रबल करता है।

परमार्थ निकेतन इस पर्व के माध्यम से यह संदेश देना चाहता है कि प्रकृति का संरक्षण और पर्यावरण के प्रति जागरूक रहना हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जिम्मेदारी है। यह पर्व हमें यह याद दिलाता है कि पूजा और भोग अर्पित करने के साथ ही पौधों का रोपण करना, जल बचाना और प्रकृति को संरक्षित करना भी उतना ही आवश्यक है।

प्रकृति का सम्मान करें, दूसरों के साथ साझा करें, और आत्मानुशासन के साथ जीवन जिएँ। परमार्थ निकेतन की ओर से सभी देशवासियों को इस पावन पर्व की शुभकामनाएँ। आइए हम सब मिलकर प्रकृति और संस्कृति का संरक्षण करें और इस पर्व के माध्यम से विश्व में खुशहाली, समृद्धि और प्रेम का संचार करें।

सीआरपीएफ के डीआईजी ने शहीदों को दी श्रद्धांजलि

शहीदों के बलिदान को किया नमन, कहा– उनकी वीरता से प्रेरणा ले रही नई पीढ़ी

थरवई (प्रयागराज)। सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र पण्डिला के शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी गई इस अवसर पर डीआईजी सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र धीरज कुमार ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर वीर सपूतों के अदम्य साहस और बलिदान को नमन किया।कार्यक्रम के दौरान शहीद स्मारक स्थल पर बलिदानियों के चित्र लगाए गए थे। सीआरपीएफ के जवानों और अधिकारियों ने उन चित्रों पर पुष्प अर्पित किए और राष्ट्र के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीरों के सम्मान में दो मिनट का मौन रखकर सच्ची श्रद्धांजलि दी। इस दौरान पूरा परिसर मौन और भावुक वातावरण में डूब गया।डीआईजी धीरज कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि 21 अक्टूबर 1959 का दिन भारतीय पुलिस और सुरक्षा बलों के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। लद्दाख के हॉट स्प्रिंग क्षेत्र में चीनी सैनिकों ने कपटपूर्वक हमला किया था, जिसमें सीआरपीएफ के दस बहादुर जवान मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हो गए थे। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों और दुर्गम भौगोलिक स्थितियों के बावजूद सीआरपीएफ जवानों ने शौर्य, साहस और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए दुश्मन के मंसूबों को नाकाम किया।

डीआईजी ने कहा कि इन वीर जवानों का बलिदान देश की सुरक्षा व्यवस्था का आधार बना हुआ है। उनकी वीरगाथाएं आज भी हर जवान के हृदय में जोश और समर्पण की भावना भरती हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस हमें उन अमर वीरों की याद दिलाता है, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी।श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अंत में डीआईजी धीरज कुमार समेत उपस्थित सभी अधिकारियों और जवानों ने शहीदों को सलामी दी। इस अवसर पर सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र के अधिकारी, कर्मचारी एवं जवान मौजूद रहे।

किन्नर अखाडा की ओर से छठ पर भजन संध्या

किन्नर अखाडा के आचार्य महामण्डलेश्वर, महामण्डलेश्वर श्री यमाई ममतानंद गिरि होगी शामिल

महामण्डलेश्वर कंकेश्वरीनंद गिरि महराज के सानिध्य में हो रहा कार्यक्रम

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। किन्नर अखाडा सनातन धर्म के प्रचार - प्रसार और लोगों को जोडकर सनातन धर्म, संस्कृति को मजबूत करने में लगा हुआ है। किन्नर अखाडा की गोरखपुर की महामण्डलेश्वर श्रीश्री 1008

स्वामी कंकेश्वरीनंद गिरि (किरन बाबा) महराज आज प्रयागराज में थी। उन्होंने बताया कि सूर्यषष्ठी का महापर्व छठ के अवसर पर गोरखपुर के आश्रम, पीपीगंज, गौरीशंकर मंदिर, टीचर कालोनी में 29 अक्टूबर बुधवार की शाम छह बजे से भजन संध्या होगी। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज और विशिष्ट अतिथि किन्नर श्री श्री 1008 श्री यमाई ममतानंद गिरि (ममता कुलकर्णी)हैं। महामण्डलेश्वर श्रीश्री 1008 स्वामी कंकेश्वरीनंद गिरि महराज (किरन बाबा) ने बताया कि महापर्व छठ पर भजन संध्या के बाद प्रसाद वितरण कार्यक्रम है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में बडी संख्या मे क्षेत्रीय लोग परिवार सहित शामिल होकर भजन संध्या का आनंद उठाएगे।

महामण्डलेश्वर श्रीश्री 1008 स्वामी कंकेश्वरीनंद गिरि (किरन बाबा) ने बताया कि किन्नर अखाडा सनातन धर्म को और मजबूत, संरक्षित करते हुए बडी संख्या में लोगों को जोड रहा है। आज देश, विदेश मे 50 लाख से अधिक लोग किन्नर अखाडा और सनातन धर्म से जुडकर सनातन धर्म को मजबूत कर रहे है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किन्नर अखाडा के गठन होने के बाद किन्नर अखाड़ा के आचार्य महामण्डलेश्वर प्रो (डा) लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी महराज के नेतृत्व में सनातन धर्म का प्रचार - प्रसार देश, देश, विदेश में करते हुए भारतीय संस्कृति को मजबूती मिल रही है।

आचार्य शांतनु जी महाराज की श्री रामकथा दो नवंबर से

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। भईया जी का दाल भात परिवार की ओर से श्रीराम कथा दो नवंबर से दस नवंबर तक दुर्गा पूजा पार्क, काटजू बाग, सलोरी, प्रयागराज में होगी। कथा वाचक के रूप में श्री रामकथा प्रवाहक आचार्य शांतनु जी महाराज रहेंगे। यह कथा भईया जी का दाल भात परिवार की सेवा के सात वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित की जा रही है।

भईया जी का दाल भात परिवार के संस्थापक अतुल मिश्रा (गुड्डू) ने बताया कि श्रीराम कथा प्रतिदिन अपराह्न तीन बजे से शुरू होगी। कथा आयोजन में भईया जी का दाल भात परिवार के संस्थापक अतुल मिश्रा (गुड्डू), अधिवक्ता परिषद के पूर्व प्रदेश महामंत्री शीतला प्रसाद गौड़ शीतल, अरुणेंद्र सिंह (अन्नू भईया), अधिवक्ता विजय द्विवेदी, राजेश पाण्डेय, अखिलेश मिश्रा, कुलदीप सिंह चौहान, पंकज दुबे, पूर्णेंदु सिंह, सर्वेश सिंह, मनीष द्विवेदी सहित अन्य लोग हैं।

अपना पहला वेडिंग ट्रैक शूट करना मेरे लिए सपने के सच होने जैसा था

प्रयागराज। ज़ी टीवी का पॉपुलर शो सरू अपनी दिल छू लेने वाली कहानी और सहज किरदारों के कारण दर्शकों का पसंदीदा बन गया है। शो में हाल ही में दिखाया गया वेडिंग ट्रैक अपनी भव्यता, खूबसूरत सेट्स और जज़्बातों से भरे पलों की वजह से चर्चा में है। दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि कब वेद और सरू आखिरकार शादी के बंधन में बंधेंगे। शो में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री मोहक मटकर ने अपने पहले ऑन-स्क्रीन वेडिंग सीक्वेंस को लेकर अपना अनुभव साझा किया। देखते रहिए सरू, रोज़ शाम 7:30 बजे, सिर्फ़ ज़ी टीवी पर!

शूटिंग के दौरान के अनुभवों और अपने वेडिंग लुक के बारे में बात करते हुए मोहक ने कहा, 'शादी वाले सीन शूट करना जितना रोमांचक था, उतना ही थकाने वाला भी! इस ट्रैक के लुक्स बहुत डिटेल्ड थे - पारंपरिक ज्वेलरी से लेकर खूबसूरती से डिजाइन किए गए कपड़ों तक, हर चीज़ को बड़ी बारीकी से तैयार किया गया ताकि शादी भव्य भी लगे और असली भी महसूस हो।

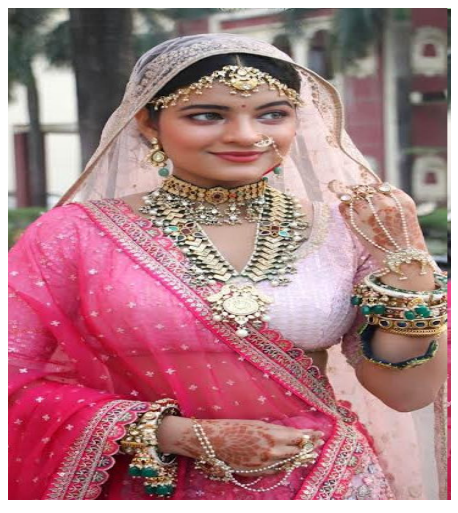

हमें हर रस्म के लिए सही लाइटिंग और माहौल पाने के लिए लगातार नाइट शूट्स करने पड़े, जो काफी टफ था। लेकिन जब मैंने मॉनिटर पर फाइनल शॉट्स देखे, तो लगा कि मेहनत पूरी तरह सफल रही। पूरी टीम ने इस वेडिंग सीक्वेंस को खूबसूरत बनाने में दिन-रात एक कर दिया।'

खराब सड़कों को लेकर नागरिकों का प्रदर्शन, पालिका आयुक्त के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी शहर में जर्जर सड़कों से त्रस्त नागरिकों का आक्रोश आखिर फूट पड़ा। मानसरोवर, फुलेनगर और गायत्री नगर के निवासियों ने मंगलवार को 'काली दिवाली' मनाते हुए सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भिवंडी पालिका आयुक्त और प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाज़ी की तथा सड़क को पूरी तरह जाम कर दिया। नागरिकों का कहना है कि शहर की अधिकांश आरसीसी और पेवर ब्लॉक सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं, जिनके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। बारिश के मौसम में स्थिति और भी भयावह हो गई है। नागरिकों के अनुसार, केवल गड्ढों के कारण अब तक छह लोगों की जान जा चुकी है।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि आसबीबी मस्जिद से लेकर मानसरोवर रोड, फुलेनगर और गायत्री नगर होते हुए वाराला देवी मंदिर तक की सड़क इतनी खराब हो चुकी है कि उस पर चलना मौत को दावत देने जैसा हो गया है। आंदोलनकारियों ने पालिका प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि इसी मार्ग पर भिवंडी पालिका आयुक्त का सरकारी निवास भी स्थित है, बावजूद इसके सड़क की मरम्मत नहीं की जा रही है। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि इस रास्ते से रोजाना कई जनप्रतिनिधियों का आना-जाना रहता है, फिर भी किसी ने इस मुद्दे पर आवाज नहीं उठाई। नागरिकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क की मरम्मत का कार्य शुरू नहीं किया गया, तो वे पूरे रास्ते को पूरी तरह बंद कर उग्र आंदोलन करेंगे।

शहरवासियों का कहना है कि वे अब अपनी बुनियादी सुविधाओं के लिए खुद मैदान में उतरने को मजबूर हैं। उनका स्पष्ट संदेश है– 'अब सब्र का बांध टूट चुका है, अगर प्रशासन नहीं जागा, तो सड़कों पर ही जवाब मिलेगा।'

भिवंडी के उप जिला अस्पताल पर फिर उठा सवाल

लेज़र ऑपरेशन के दौरान महिला झुलसी

भिवंडी (संवाददाता)

मंत्र न्यूज

भिवंडी। भिवंडी के स्व. इंदिरा गांधी मेमोरियल उप जिला अस्पताल में एक बार फिर लापरवाही का गंभीर मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, शनिवार को लेज़र तकनीक से हार्निया का ऑपरेशन करवाने गई एक महिला ऑपरेशन के दौरान ही आग से झुलस गई। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिससे अस्पताल प्रशासन पर सवाल उठने लगे हैं।

पीड़ित महिला मिर्जा खातून ने बताया कि शनिवार शाम करीब 4 बजे उनका ऑपरेशन चल रहा था, तभी लेज़र मशीन के चलते अचानक कपड़ा और चादर में आग लग गई। उन्होंने तुरंत ऑपरेशन कर रहे डॉक्टर को जलन की जानकारी दी, लेकिन डॉक्टरों ने इसे नजरअंदाज कर दिया। हादसे में महिला का शरीर का कुछ हिस्सा झुलस गया और अब उस पर फफोले पड़ चुके है। वही पर मिर्जा खातून के पति ने आरोप लगाते हुए कहा कि अस्पताल

प्रशासन ने इस गंभीर लापरवाही को दबाने की कोशिश की। 'हमें केवल एक ट्यूब लिखकर कहा गया कि बाहर से खरीद लें, इसके बाद कोई इलाज नहीं किया गया,'।

इस घटना के बाद अस्पताल प्रशासन की कार्यशैली पर फिर से सवाल उठने लगे हैं। नागरिकों का कहना है कि यह वही अस्पताल है जहां डॉक्टरों की भारी कमी है और अधिकांश आधुनिक मशीनें या तो खराब हैं या चालकों के अभाव में बंद पड़ी हैं। मरीजों को अक्सर ठाणे या मुंबई के सरकारी अस्पतालों का रुख करना पड़ता है। घटना को लेकर अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। वहीं, सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के बाद स्थानीय नागरिकों में आक्रोश फैल गया है और लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। शहरवासियों का कहना है कि 'सरकारी अस्पताल में इलाज के नाम पर जोखिम बढ़ गया है – अब तो ऑपरेशन थियेटर भी सुरक्षित नही रहा।'

शुक्रवार को मध्य रेल दिवाली और छठ पूजा हेतु त्यौहार विशेष ट्रेनें

मुंबई(संवाददाता)

मंत्र न्यूज

विवरण इस प्रकार हैं:
मुंबई मंडल- दिनांक 24.10.2025
सीएसएमटी/एलटीटी/पनवेल से प्रस्थान करने वाली ट्रेनों का विवरण
1. ट्रेन संख्या 01079 सीएसएमटी-गोरखपुर स्पेशल, सीएसएमटी से 22.30 बजे प्रस्थान करेगी।
ठहरावः दादर, ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, जलगाँव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, बस्ती और खलीलाबाद। संरचनाः तीन एसी-3 टियर, 10 स्लीपर क्लास, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन। 2. ट्रेन संख्या 01179 एलटीटी-सावंतवाड़ी रोड स्पेशल एलटीटी से 08.20 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलून, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव, कंकावली, सिंधुदुर्ग, कुडाल। संरचनाः 1 एसी फर्स्ट क्लास, तीन एसी-2 टियर, सात एसी 3-टियर, 8 स्लीपर क्लास, एक पेंट्री, 2 जेनरेटर वैन। 3. ट्रेन संख्या 01143 एलटीटी-दानापुर स्पेशल एलटीटी से 10.30 बजे प्रस्थान करेगी हॉल्टः ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, भुसावल, खंडवा, -इटारसी, जबलपुर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जं.,बक्सर एवं आरा. संरचनाः तीन एसी-3 टियर, 10 स्लीपर क्लास, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन।
. ट्रेन संख्या 01123 एलटीटी-मऊ स्पेशल एलटीटी से 12.15 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल। बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी जंक्शन, फ़तेहपुर, सूबेदारगंज, मिर्ज़ापुर, वाराणसी जंक्शन, जौनपुर जंक्शन और औंरिहार.. संरचनाः दो एसी 2-टियर, आठ एसी 3-टियर, 4 स्लीपर क्लास, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड की ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार। 5. ट्रेन संख्या 01159 पनवेल-चिपलून अनारक्षित विशेष पनवेल से 16.40 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः सोमाटने, अप्टा, जिते, पेन, कासु, नागोठाणे, रोहा, कोलाड, इंदापुर, मानगांव, गोरेगांव रोड, वीर, सापे वामने, करंजडी, विनेहेरे, दीवानखावटी, कलांबनीबुद्रुक, खेड़ और अंजनी संरचनाः 08 कार मेमू पुणे मंडल - दिनांक 24.10.2025 पुणे/हडपसर/दौंड से प्रस्थान करने वाली ट्रेनों का विवरण 6. ट्रेन संख्या 01431 पुणे-गाजीपुर सिटी स्पेशल पुणे से 06.40 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, मनमाड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी, फ़तेहपुर, सूबेदारगंज, वाराणसी, जौनपुर और औंरिहार

जंक्शन।
ंरचनाः 2 एसी 2-टियर, 8 एसी 3-टियर, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 द्वितीय श्रेणी-सह-गार्ड की ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार 7. ट्रेन संख्या 01415 पुणे-गोरखपुर स्पेशल पुणे से 06.50 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा और बस्ती। संरचनाः चार एसी-3 टियर, 6 स्लीपर क्लास, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन। 8. ट्रेन संख्या 01405 पुणे-सांगानेर स्पेशल पुणे से 09.45 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, अंकलेश्वर जंक्शन, वडोदरा, रतलाम, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा और सवाई माधोपुर। संरचनाः चार एसी थ्री-टियर, 6 स्लीपर क्लास, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक यान 9. ट्रेन संख्या 01449 पुणे-दानापुर स्पेशल, पुणे से 15.30 बजे प्रस्थान ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, कोपरगाँव, मनमाड, भुसावल, इटारसी, जबलपुर, सतना, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा संरचनाः चार एसी थ्री-टियर, 6 स्लीपर क्लास, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक यान। 10. ट्रेन संख्या 01491 पुणे-हजरत निज़ामुद्दीन स्पेशल पुणे से 17.30 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः लोनावला, कल्याण, भिवंडी रोड, वसई रोड, पालघर, वापी, वलसाड, उधना, वडोदरा जंक्शन, रतलाम, शामगढ़, भवानी मंडी, रामगंज मंडी, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, भरतपुर जंक्शन, मथुरा। संरचनाः एक एसी 2-टियर, चार एसी 3-टियर, 11 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड की ब्रेक वैन। 11. ट्रेन संख्या 01481 पुणे-दानापुर स्पेशल पुणे से 19.55 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, कोपरगाँव, मनमाड, जलगाँव, भुसावल, इटारसी, भोपाल, बीना, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी, उरई, गोविंदपुरी, फ़तेहपुर, प्रयागराज, पं.दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा संरचनाः दो एसी 2-टियर, आठ एसी 3-टियर, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड की ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार। 12. ट्रेन संख्या 01202 हडपसर-नागपुर स्पेशल, हडपसर से 15.50 बजे प्रस्थान करेगी। ठहरावः उरुली, दौंड कॉर्ड लाइन, अहिल्यानगर, बेलापुर, कोपरगाँव, मनमाड, जलगाँव, भुसावल, मलकापुर, शेगांव, अकोला, बडनेरा, धामनगाँव और वर्धा। संरचनाः चार एसी 3-टियर, 6 स्लीपर क्लास, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन। 13. ट्रेन संख्या 01430 हडपसर-लातूर स्पेशल, हडपसर से 16.05 बजे प्रस्थान करेगी। ठहरावः दौंड, जेउर, कुर्दुवाड़ी, बरसी टाउन, धाराशिव, मुरुड और हरंगुल। संरचनाः एक एसी फर्स्ट क्लास, दो एसी-2-टियर, चार एसी-3-टियर, 8 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन। 14. ट्रेन संख्या 01421 दौंड-कलबुरगि अनारक्षित विशेष दौंड से 05.00 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः भिगवान, पारेवाड़ी, जेउर, केम, कुर्दुवाड़ी, माधा, मोहोल, सोलापुर, टिकेकरवाड़ी, होटगी, अकालकोट रोड, बोरोती, दुधनी और गणगापुर संरचनाः 10 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय श्रेणी-सह-सामान-सह गार्ड कोच। सोलापुर मंडल -दिनांक 24.10.2025 कलबुरगि/लातूर से प्रस्थान करने वाली ट्रेनों का विवरण 15. ट्रेन संख्या 01422 कलबुरगि - दौंड अनारक्षित विशेष कलबुरगि से 16.10 बजे प्रस्थान करेगी ठहरावः गणगापुर, दुधनी, बोरोती, अकालकोट रोड, होटगी, टिकेकरवाड़ी, सोलापुर, मोहोल, माधा, कुर्दुवाड़ी, केम, जेउर, पारेवाड़ी और भिगवन संरचनाः 10 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 द्वितीय श्रेणी-सह-सामान-सह गार्ड कोच। 16. ट्रेन संख्या 01429 लातूर-हडपसर स्पेशल, लातूर से सुबह 9.30 बजे प्रस्थान करेगी। ठहरावः हरंगुल, मुरुड, धाराशिव, बरसी टाउन, कुर्दुवाड़ी, जेउर और दौंड। संरचनाः एक एसी फर्स्ट क्लास, दो एसी-2 टियर, चार एसी-3 टियर, 8 स्लीपर क्लास, 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी और 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन। नागपुर मंडल-दिनांक 24.10.2025 नागपुर से प्रस्थान करने वाली ट्रेनों का विवरण 17. ट्रेन संख्या 02140 नागपुर-एलटीटी स्पेशल, नागपुर से दोपहर 13.30 बजे प्रस्थान करेगी। ठहरावः वर्धा, धामनगांव, बडनेरा, मुर्तिजापुर, अकोला, शेगाँव, मलकापुर, भुसावल, जलगाँव, मनमाड, नाशिक रोड, कल्याण और ठाणे संरचनाः तीन एसी 3-टियर, 10 स्लीपर क्लास, 5 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 2 सामान्य द्वितीय श्रेणी सह गार्ड ब्रेक वैन उपरोक्त विशेष ट्रेनों की बुकिंग सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर पहले से ही शुरू है। इस विशेष ट्रेन के ठहरावों के विस्तृत समय की जानकारी लिए कृपया http://www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या ऊएँ ऐप डाउनलोड करें।
यात्रियों से अनुरोध है कि वे उक्त विशेष ट्रेन सेवाओं का लाभ उठाएँ और किसी भी असुविधा से बचने के लिए वैध टिकटों के साथ यात्रा करें।

भाजपा पर जमकर बरसे अखिलेशः बोले-सरकार की नाक के नीचे सिरप की आपूर्ति हो रही, मंत्रालय चुप क्यों?

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर तंज सका। उन्होंने एक्स पर लिखा, सरकार की नाक के नीचे जानलेवा सिरप की आपूर्ति अस्पतालों, जेलों और घरों तक में हो रही है। लेकिन, स्वास्थ्य मंत्रालय चुप्पी साधे बैठा है। इस मौन के कारण किसको क्या लाभ मिल रहा है? और किसकी इस घुट्टी के घोटाले में संलिप्तता है। इसकी तत्काल जांच होनी चाहिए। कहीं ऐसा तो नहीं कि कोई सत्ता से नजदीकी संबंधों का नाजायज फायदा उठाकर ऐसे नकली सिरप की आपूर्ति कर रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा का भ्रष्टाचार अब लोगों के जीवन तक से खिलवाड़ कर रहा है। जिसका भी इस सिरप घोटाले से मुनाफाखोरी का रिश्ता है, वो उजागर हो और दंडात्मक निष्कासन भी हो। भाजपा सरकार में हर विभाग में भ्रष्टाचार का जो पहाड़ खड़ा हो रहा है, उसका मूल कारण वसूली करने वाले नहीं हैं बल्कि वे मुख्य सत्ताधारी लोग हैं, जो वसूली करवा रहे हैं, क्योंकि उनकी आपस की लड़ाई बहुत बड़ी है और पद की प्रधान महत्वाकांक्षा भी।

अकूत धन से महापद की तैयारी हो रही

वसूली, घूस, कमीशन और चंदे से जमा किए जा रहे अकूत धन से दरअसल महापद की तैयारी हो रही है। भाजपा और उनके संगी-साथियों की यही परंपरा रही है कि जिसके पास महाकोष की व्यवस्था होगी, उसकी ही प्रधान दावेदारी होगी। महापद की इस प्रतिस्पर्धा में वसूली के कारण हर चीज का दाम बढ़ रहा है और आखिर में इस रस्साकशी में आम जनता को खामियाजा भुगतना पड़ रहा है।

'पीएम मित्र पार्क' में पांच हजार करोड़ का निवेश, 'टेक्सटाइल हब' बनाने की दिशा में होगा गेमचेंजर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'भारत का टेक्सटाइल हब' बनाने की दिशा में पीएम मित्र पार्क गेमचेंजर साबित होने जा रहा है। लखनऊ और हरदोई जिले में विकसित हो रहे पीएम मित्र पार्क में अब तक पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिल चुके हैं। आदित्य बिरला ग्रुप, अजूल डेनिमकार्ट और टीटीएल जैसी कंपनियां निवेश के लिए आ रही हैं।

हैंडलूम एवं टेक्सटाइल विभाग की ओर से अब तक करीब 100 औद्योगिक इकाइयों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) साइन किए जा चुके हैं। इनमें देश-विदेश की कई बड़ी कंपनियां शामिल हैं, जो उत्तर प्रदेश को टेक्सटाइल उद्योग का नया केंद्र बनाने की दिशा में काम करेंगी। आदित्य बिरला ग्रुप ने 30 एकड़ भूमि में स्पिनिंग और वीविंग यूनिट स्थापित करने की इच्छा जताई है।

वहीं, जीईएसएल स्पिनर्स 20 एकड़ में टेक्निकल टेक्सटाइल यार्न यूनिट लगाने की योजना बना रहा है। इसके अलावा अजूल डेनिमकार्ट 15 एकड़ में डेनिम फैब्रिक यूनिट, एसएवीएम इंक डी 25 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग, जियोसिस इंडिया 25 एकड़ में जियोग्रिड फैब्रिक यूनिट, माराल ओवरसीज 5 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग, और ओखला गारमेंट एंड टेक्सटाइल क्लस्टर 125 एकड़ में गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित करेगी।

टेक्निकल टेक्सटाइल्स, और टीटी लिमिटेड 5 एकड़ में गारमेंट यूनिट लगाने जा रही हैं।

आरजीआई मेडिटेक 2.5 एकड़ में सैनिटरी नैपकिन्स और डायपर्स यूनिट, वीडी ग्रुप 10 एकड़ में पॉलीप्रोपिलीन

एक लाख से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

यह महत्वाकांक्षी परियोजना कुल 1000 एकड़ भूमि पर विकसित की जा रही है, जिसमें लखनऊ जनपद की 730 एकड़ भूमि और हरदोई जनपद की 270 एकड़ भूमि शामिल है। पार्क के निर्माण के बाद 10 हजार करोड़ रुपये से अधिक निवेश आने की संभावना है, जिससे एक लाख से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। पार्क के संचालन एवं प्रबंधन के लिए 'पीएम मित्र पार्क उत्तर प्रदेश लिमिटेड' नाम से एक एसपीवी का गठन किया गया है। इसमें 51 प्रतिशत हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश सरकार की और 49 प्रतिशत भारत सरकार की होगी।

बेहतर कनेक्टिविटी ने बढ़ाया निवेशकों में उत्साह

कनेक्टिविटी ने निवेशकों का ध्यान सबसे ज्यादा खींचा है। लखनऊ एयरपोर्ट से इसकी दूरी 45 किलोमीटर, मलिहाबाद रेलवे स्टेशन से 15 किलोमीटर और लखनऊ जंक्शन से 40 किलोमीटर है। वहीं, नेशनल हाईवे (लखनऊ-हरदोई-दिल्ली) केवल 15 किलोमीटर और आउटर रिंग रोड 20 किलोमीटर की दूरी पर है।

ऊर्जा निगमों में वर्टिकल व्यवस्था लागू करने को लेकर विरोध...उपभोक्ता परिषद पहुंचा नियामक आयोग

लखनऊ। पावर कारपोरेशन की ओर से निगमों में लागू की जा रही वर्टिकल व्यवस्था का विरोध तेज हो गया है। केस्को, अलीगढ़ ,मेरठ , बरेली के बाद राजधानी लखनऊ लेसा, नोएडा सहित अन्य क्षेत्रों में इसे लागू करने को लेकर नियामक आयोग में विधिक लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल कर दिया गया है। यह प्रस्ताव राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने दाखिल किया है।

मंगलवार को नियामक आयोग में दाखिल किए गए प्रस्ताव में राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि केस्को, अलीगढ़, मेरठ, बरेली, और अब लखनऊ लेसा, नोएडा सहित अन्य क्षेत्रों में बिजली वितरण कंपनियों द्वारा बिना उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग की स्पष्ट अनुमति के 'वर्टिकल व्यवस्था' लागू कर दी गई है।

इस व्यवस्था के तहत उपभोक्ताओं को शिकायतों के समाधान के लिए एक केंद्रीकृत प्रणाली पर निर्भर किया गया है, लेकिन यह पूरी तरह से विफल सिद्ध हो रही है। पावर कॉरपोरेशन 1912 के माध्यम से उपभोक्ता की शिकायतों के समाधान की व्यवस्था बना रहा है

जबकि अभी तक इसमें ओटीपी व्यवस्थ लागू नहीं हुई है।

परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रस्ताव दाखिल करते हुए विद्युत वितरण संहिता के प्रावधानों के उल्लंघन का मामला उठाया। कहा कि 1947 में बने राज्य विद्युत परिषद की संरचना में बदलाव किया जा रहा है । विद्युत नियामक आयोग को विश्वास में नहीं लिया गया।।

इन बिंदुओं पर मांगा जवाब

1912 कॉल सेंटर पूरी तरह निष्क्रिय हो गया है

शिकायतें दर्ज नहीं हो रहीं और समाधान का कोई ट्रैक उपलब्ध नहीं। ऐसा क्यों?

ओटीपी आधारित शिकायत प्रणाली की कोई स्पष्ट प्रक्रिया उपभोक्ताओं को नहीं बताई गई है। जबकि आयोग ने निर्देश दिया था कि इस पर एक रिपोर्ट तैयार कर इसे लागू किया जाए। अभी तक इसे लागू न करने की क्या वजह है?

उपभोक्ताओं को यह जानकारी नहीं दी जा रही कि किस अधिकारी से संपर्क करें, कहाँ जाएं या अपनी शिकायतें कैसे दर्ज कराएं?

न कोई जन सूचना, न सार्वजनिक दिशा-निर्देश, और न ही समय-सीमा निर्धारित की गई है। ऐसा क्यों?

परिषद की है ये मांग

'वर्टिकल व्यवस्था' को तत्काल प्रभाव से रोका जाए, जब तक आयोग से विधिवत अनुमति न ली जाए।

उपभोक्ताओं को स्पष्ट व पारदर्शी सूचना दी जाए, जैसे कि संपर्क अधिकारी, शिकायत पद्धति और समाधान की समय-सीमा।

1912 व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए और ओटीपी आधारित प्रणाली को उपयुक्त व सुगम बनाया जाए।

स्वामी प्रसाद मौर्य बोले-लक्ष्मी पूजन से धन मिलता है, तो देश में 80 करोड़ लोग गरीब क्यों?

लखनऊ। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी (आरएसएसपी) के प्रमुख और पूर्व कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने समृद्धि के लिए लक्ष्मी की पूजा पर सवाल उठाया है। मौर्य ने कहा, देवी लक्ष्मी की पूजा करना व्यावहारिकता से कोसों दूर है। अगर देवी लक्ष्मी की पूजा करने से सचमुच धन की प्राप्ति होती तो भारत को अब भी गरीब देशों में नहीं गिना जाता, जहां 80 करोड़ लोग गरीबी में जीवन जी रहे हैं। देवी लक्ष्मी की पूजा करना एक परंपरा हो सकती है, लेकिन यह व्यावहारिकता से कोसों दूर है। अगर लक्ष्मी की पूजा करने से कोई अमीर बन जाता, तो भारत दुनिया के गरीब देशों में से एक नहीं होता।

सवाल किया? पूजा का लाखों लोगों के जीवन पर कोई असर पड़ा

पूर्व कैबिनेट मंत्री ने सवाल किया कि क्या इस पूजा का लाखों लोगों के जीवन पर कोई असर पड़ा है। मौर्य ने कहा कि क्या 5-10 किलो चावल खाकर गुजारा करने वाले 80 करोड़ लोग अपने बच्चों को उच्च शिक्षा दिलवा सकते हैं। क्या ऐसे लोग अपने बच्चों को डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, वकील, आईएएस, आईपीएस या वैज्ञानिक बना सकते हैं। आज करोड़ों युवा बेरोजगार हैं।

वे किसी भी प्रकार की पूजा-अर्चना का विरोध नहीं करते हैं। उन्होंने लोगों से घरों में महिलाओं के काम को पहचानने और उनका सम्मान करने की अपील की। कहा कि वे ही घर की लक्ष्मी हैं। वे घर को चौबीसो घंटे साफ-सुथरा रखती हैं। अगर प्रार्थना करनी ही है, तो घर की लक्ष्मी की प्रार्थना करें, ताकि घर में सुख-समृद्धि बनी रहे।

महिला विश्व कप में पाकिस्तान की करारी हार, बोर्ड में मचा बवाल!

लाहौर **(एजेंसी)**। विश्व कप में लगातार हार के बाद पाकिस्तानी महिला क्रिकेट टीम आलोचनाओं के घेरे में आ गई है। मंगलवार को कोलंबो में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान को दक्षिण अफ्रीका के हाथों 150 रनों से करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। यह हार टीम के लिए केवल एक मैच नहीं, बल्कि आत्ममंथन का समय बन गई है। पाकिस्तानी टीम अभी अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। अब तक टीम को बांग्लादेश, भारत, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका से हार मिली है, जबकि इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच बारिश के कारण अधूरे रहे। इस खराब प्रदर्शन ने खिलाड़ियों के आत्मविश्वास को बुरी तरह झकझोर दिया है। पूर्व कप्तान जावेरिया खान ने कहा, 'बल्लेबाजों ने निराश किया है। हमारे खिलाड़ियों में अन्य टीमों जैसी ताकत और कौशल की कमी है। बांग्लादेश से मिली पहली हार ने पूरे टूर्नामेंट में टीम का मनोबल गिरा दिया।'

जहां बल्लेबाजों ने उम्मीदें तोड़ीं, वहीं गेंदबाजों ने कई मौकों पर टीम को मैच में बनाए रखने की कोशिश की। जावेरिया ने कहा कि गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया, भारत और इंग्लैंड जैसी टीमों के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन उन्हें बल्लेबाजों का साथ नहीं मिला।

पूर्व तेज गेंदबाज और कोच कबीर खान ने टीम के कमजोर प्रदर्शन की जड़ में घरेलू क्रिकेट ढांचे की कमी को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, 'हमारे पास नई प्रतिभाएं नहीं आ रहीं क्योंकि हमारा घरेलू सिस्टम बहुत कमजोर है। हमें जूनियर स्तर से शुरुआत करनी होगी। पाकिस्तान में बहुत सी लड़कियां क्रिकेट खेलना चाहती हैं, लेकिन उन्हें मंच नहीं मिलता।' कबीर का मानना है कि अगर पाकिस्तान को भविष्य में मजबूत महिला टीम बनानी है तो उसे घरेलू टूर्नामेंट्स और प्रशिक्षण सुविधाओं पर बड़ा निवेश करना होगा।

खबरों के अनुसार पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने टीम के खराब प्रदर्शन पर सलाहकार पैनल से समीक्षा रिपोर्ट मांगी है। सूत्रों के मुताबिक, अगर सुधार नहीं हुआ तो टीम मैनेजमेंट में बदलाव भी हो सकता है।

पाकिस्तान में क्रिकेट फैंस ने सोशल मीडिया पर महिला क्रिकेट की उपेक्षा को लेकर नाराजगी जताई है। एक यूजर ने लिखा, 'जब पुरुष टीम हारती है तो पूरे देश में तूफान मच जाता है, लेकिन महिला टीम की हार पर कोई ध्यान नहीं देता। बोर्ड को महिला क्रिकेट को भी उतनी ही गंभीरता से लेना चाहिए।' महिला क्रिकेट विंग की प्रमुख राफिया हैदर, जो लाहौर की पूर्व डिप्टी कमिश्नर रह चुकी हैं, अब आलोचना के घेरे में हैं क्योंकि उन्हें क्रिकेट का कोई व्यावहारिक अनुभव नहीं है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि क्रिकेट की समझ रखने वाले लोगों को महिला क्रिकेट के प्रशासन में शामिल किया जाना चाहिए।

विराट और रोहित के लिए निर्णायक सीरीज! मोंटी पनेसर बोले- अब या कभी नहीं का समय है

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर मोंटी पनेसर का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही भारत की तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज़, विराट कोहली और रोहित शर्मा के करियर का अहम मोड़ साबित हो सकती है। उनका कहना है कि इन दोनों दिग्गजों का सीमित ओवरों का भविष्य अब बचे हुए दो मैचों के प्रदर्शन पर निर्भर करता है।

मार्च 2025 के बाद पहली बार एक साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में लौटे कोहली और रोहित से भारतीय फैंस को धमाकेदार पारी की उम्मीद थी। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले वनडे में दोनों बल्लेबाज़ पूरी तरह फ्लॉप रहे। रोहित शर्मा ने 14 गेंदों पर सिर्फ 8 रन बनाए, जबकि विराट कोहली बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। ऑस्ट्रेलिया ने पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में डीएलएस विधि से 7 विकेट से जीत हासिल की और सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली। लगातार बारिश के कारण मैच को 26-26 ओवर का कर दिया गया था।

आईएएनएस से बातचीत में मोंटी पनेसर ने साफ कहा, 'विराट कोहली और रोहित शर्मा के लिए यह बहुत बड़ी सीरीज़ है। उन्हें अगले दो मैचों में ज़रूर प्रदर्शन करना होगा। अगर वे ऐसा नहीं कर पाए, तो एडिलेड उनके लिए 'डू ऑर डाई' सीरीज़ साबित होगी। भारत के पास अब कई युवा खिलाड़ी तैयार हैं, जो मौका मिलने का इंतज़ार कर रहे हैं।'

पनेसर ने यह भी कहा कि दोनों खिलाड़ी पहले ही भारत के लिए बहुत कुछ कर चुके हैं, उन्होंने वर्ल्ड कप और कई ऐतिहासिक मैच जिताए हैं लेकिन अब समय आ गया है कि वे अपने करियर के अंतिम चरण में खुद को फिर से साबित करें।

पहले बल्लेबाज़ी करते हुए भारत की शुरुआत बेहद खराब रही। पावरप्ले में ही शीर्ष क्रम ढह गया और टीम पूरे मैच में लय नहीं पकड़ सकी। बारिश ने मैच की रफ्तार और खिलाड़ियों के मनोबल दोनों को तोड़ा। परिणामस्वरूप भारत सिर्फ 130 रन के आसपास सिमट गया, जिसे ऑस्ट्रेलिया ने आसानी से हासिल कर लिया।

सीरीज़ का अगला मैच गुरुवार को एडिलेड ओवल में खेला जाएगा। टीम इंडिया के लिए यह मुकाबला सिर्फ जीतने का नहीं, बल्कि आत्मविश्वास लौटाने का भी मौका है। फैंस की निगाहें एक बार फिर विराट और रोहित पर टिकी होंगी, क्या ये दोनों सुपरस्टार अपने पुराने अंदाज में लौटेंगे या फिर यह सीरीज़ उनके एकदिवसीय सफर का आखिरी मोड़ बनेगी?

सचिन तेंदलुकर से 5000 रन ज्यादा होते, पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज का ने दिया बड़ा बयान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज माइकल हसी ने एक पॉडकास्ट इंटरव्यू के दौरान ऐसा बयान दिया, जिसने क्रिकेट फैंस को हंसा भी दिया और सोचने पर मजबूर भी कर दिया। हसी ने मजाकिया लहजे में कहा कि अगर उन्होंने क्रिकेट में जल्दी डेब्यू किया होता, तो शायद वह सचिन तेंदुलकर से 5000 रन ज्यादा होते। हसी ने अपने इंटरव्यू में कहा, 'मैंने कई बार सोचा है कि अगर मैंने किशोरावस्था में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलना शुरू किया होता, तो शायद मैं सचिन से लगभग 5000 रन ज्यादा होते। लेकिन फिर सुबह उठता हूं तो समझ आता है, ये तो बस सपना था!'

माइकल हसी को क्रिकेट जगत में 'मिस्टर क्रिकेट' के नाम से जाना जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 28 साल की उम्र में डेब्यू किया जब ज्यादातर खिलाड़ी अपने करियर के शिखर पर होते हैं। 2004 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कदम रखने वाले हसी ने 79 टेस्ट, 185 वनडे और 38 टी20 मुकाबलों में हिस्सा लिया।

हसी का घरेलू करियर इतना शानदार था कि उन्हें लगातार चयन के करीब माना जाता था, लेकिन उस दौर में ऑस्ट्रेलिया की टीम बेहद मजबूत थी। रिकी पोंटिंग, मैथ्यू हेडन, जस्टिन लैंगर, एडम गिलक्रिस्ट और डेमियन मार्टिन जैसे दिग्गज पहले से मौजूद थे। इस वजह से हसी को अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका मिलने में देर हुई।

उन्होंने कहा, 'मुझे पहले ही मौका मिलना अच्छा लगता, लेकिन जब मुझे टीम में जगह मिली, तब तक मैं अपने खेल को अच्छी तरह समझ चुका था। शायद यही मेरी सबसे बड़ी ताकत थी।'

चैंपियंस लीग में हुई गोल की बरसात पीएसजी और बार्सिलोना की बड़ी जीत

मैनचेस्टर **(एजेंसी)**। चैंपियंस लीग में मंगलवार की रात को गोल की जबरदस्त बरसात देखने को मिली। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने सात, बार्सिलोना ने छह और एर्लिंग हालैंड ने सत्र का अपना 24वां गोल किया। कुल मिलाकर नौ मैच में 43 गोल हुए, जिनमें से छह टीमों ने चार या उससे अधिक गोल किए।

पीएसवी आइंडहोवन ने इतालवी चैंपियन नेपोली को 6-2 से हराया, जबकि आर्सेनल और इंटर मिलान ने भी बड़ी जीत हासिल कर यूरोप के इस सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट में अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा। लेकिन गत विजेता पीएसजी बायर लेवरकुसेन के खिलाफ 7-2 से जीत के बाद शीर्ष पर है। इस मैच में दोनों टीमें पहले हाफ में 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई थीं। पीएसजी कि यह तीन मैच में तीसरी जीत है।

बार्सिलोना की 6-1 की ओलंपियाकोस के खिलाफ जीत ने उसे महीने की शुरुआत में पीएसजी से मिली हार से उबरने में मदद की। बार्सिलोना की तरफ से फर्मिन लोपेज ने हैट्रिक बनाई और मार्कस रशफोर्ड ने दो गोल दागे। यह लोपेज़ के करियर की पहली हैट्रिक थी। लामिने यामल ने भी एक गोल किया। प्रीमियर लीग में शीर्ष पर चल रहे आर्सेनल ने एटलेटिको मैड्रिड को 4-0 से हराया, जिसमें विक्टर ग्योकेरेस ने दो गोल किए। एक अन्य मैच में हालैंड के गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी ने विलारियल पर 2-0 से जीत हासिल की। हार्वे बार्न्स ने न्यूकैसल की बेनफिका के खिलाफ 3-0 की जीत में दो गोल किए तथा बोरूसिया डॉर्टमंड ने कोपेनहेगन पर 4-2 से जीत हासिल की।

जिम्बाब्वे ने अफगानिस्तान को और पारी और 73 रनों से हराया

हरारे **(एजेंसी)**। रिचर्ड एन्गारावा (पांच विकेट) और ब्लेसिंग मुजारबानी (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर जिम्बाब्वे ने एकमात्र टेस्ट के तीसरे दिन बुधवार को अफगानिस्तान को पारी और 73 रनों से करारी शिकस्त दी। अफगानिस्तान ने कल के दूसरी पारी में एक विकेट पर 34 रन आगे खेलना शुरु किया।

आज सुबह के सत्र में रहमानउल्लाह गुरबाज (नौ) के रूप में अफगानिस्तान का दूसरा विकेट गिरा। उन्हें टनका चिवंगा ने आउट किया। इसके बाद 18वें ओवर में रिचडर् एन्गावारा ने इब्राहिम जदरान (42) को अपना शिकार बना लिया। कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी सात रन चौथे विकेट के रूप में आउट हुये। बाहिर शाह और अफसर जजाई ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 49 रन जोड़े। 30वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने बाहिर शाह 32 रन को आउटकर अफगानिस्तान को बड़ा झटका दिया। बाहिर शाह ने अपनी पारी में 33 गेंदों का सामना किया और छह चौके लगाए। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अफगानिस्तान के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर अपने विकेट गंवाते रहे। अफसर जजाई (18), इस्मत आलम (16), शराफउद्दीन अशरफ (नौ) रन बनाकर आउट हुए। 43वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने पहले खलील गुरबाज (छह) और फिर जियाउर रहमान (शून्य) को आउटकर अफगानिस्तान की पारी का 159 के स्कोर पर अंत कर मुकाबला पारी और 73 रनों से नाम कर लिया। जिम्बाब्वे के लिए रिचर्ड एन्गारावा ने पांच विकेट लिये और ब्लेसिंग मुजारबानी को तीन विकेट मिले। टनका चिवंगा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। अफगानिस्तान पहली पारी में 127 रन बनाये जिसके बाद जिम्बाब्वे ने पहली पारी में 359 रन बनाकर 232 रनों की बढ़त हासिल की थी।

औंधे मुंह गिरा सोने का भाव! आई 12 साल की सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। रिकॉर्ड ऊंचाइयों को छूने के बाद सोने की कीमतों में मंगलवार को 12 साल की सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट दर्ज की गई। यह तेज बिकवाली मंगलवार को शुरू हुई और बुधवार को भी जारी रही।

विशेषज्ञों के मुताबिक, यह गिरावट निवेशकों द्वारा की गई 'प्रॉफिट बुकिंग' का नतीजा है। सालभर से जारी तेजी के बाद कई निवेशक ऊंचे दामों पर मुनाफा समेटने में लग गए। केसीएम ट्रेड के मुख्य विश्लेषक टिम वॉटरर ने कहा, 'मुनाफावसूली की यह लहर बर्फ के गोले की तरह बढ़ती चली गई।'

सोने-चांदी की गिरावट के बावजूद शेयर बाजारों में बड़ा उतार-चढ़ाव नहीं दिखा। एशियाई बाजारों में मिला-जुला रुख रहा, जबकि अमेरिकी बाजार लगभग स्थिर बंद हुआ।

अमेरिकी सरकार के शटडाउन से निवेशकों की चिंता और बढ़ी है। कमोडिटी फ्यूचर्स ट्रेडिंग कमीशन की रिपोर्ट जारी नहीं हो पाने से बाजार में पारदर्शिता की कमी आई है, जिससे व्यापारी अंधेरे में हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह गिरावट केवल एक करेक्शन है, न कि बुल रन का अंत। सिटी इंडेक्स के फवाद रज़ाकज़ादा के मुताबिक, 'यह गिरावट असामान्य तेजी के बाद आई स्वाभाविक प्रतिक्रिया है। दीर्घकालिक रुझान अब भी सोने के पक्ष में हैं।'

कई विश्लेषकों का कहना है कि यह गिरावट 'बाय द डिप' यानी गिरावट में खरीदारी का मौका हो सकती है, जिससे जल्द ही सोने में दोबारा तेजी लौट सकती है।

न्यूयॉर्क में देसी रंग! प्रियंका चोपड़ा ने निक-मालती संग मनाई पारंपरिक दिवाली

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा और उनके पति, गायक निक जोनस ने न्यूयॉर्क में परिवार और करीबी दोस्तों के साथ दिवाली मनाई। यह जश्न बेहद भावुक रहा, जहाँ प्रियंका ने शाम को पारंपरिक लक्ष्मी पूजा में निक और मालती के साथ शामिल होने से पहले अपनी बेटी मालती मैरी के साथ दीये रंगने के अनमोल पल साझा किए। बुधवार को, अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपने परिवार के साथ बिताए पलों की एक खूबसूरत तस्वीर पोस्ट करके प्रशंसकों को अपने त्योहारों की एक झलक दिखाई। प्रियंका ने तस्वीरों के साथ लिखा, 'थोड़ा सा ये और बहुत कुछ वो (दिल वाले इमोजी के साथ मुस्कुराता हुआ चेहरा)। यह दिवाली दिल और प्यार से भरी थी।'

इस खास मौके पर हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उन्होंने कहा, 'सभी को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएँ। यह नया साल आपके लिए प्यार, खुशी, समृद्धि और खुशियाँ लेकर आए।' इस शुभ अवसर के लिए प्रियंका ने लाल रंग का जोड़ा चुना, जबकि निक जोनस ने ऑफ-व्हाइट 'झोड़पुरी कोट' पहना था। मालती ने एक आकर्षक लाल रंग का पारंपरिक परिधान पहना था। सोशल मीडिया उपयोगकर्ता भारतीय परंपरा में निहित इस अंतरंग और जीवंत उत्सव से प्रभावित हुए।

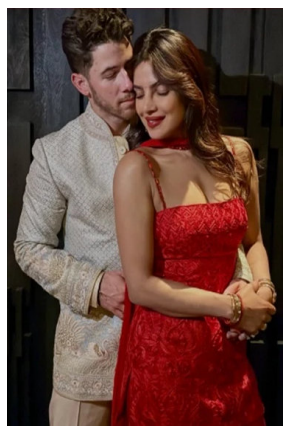

उन्होंने आगे कहा, 'इस साल इस त्यौहार को उन लोगों के साथ साझा करना, जिन्होंने इसकी खूबसूरती को नहीं देखा है, इस साल का मुख्य आकर्षण रहा। खासकर मालती के दोस्तों। दिवाली मनाने वाले सभी लोगों को शुभकामनाएँ। यह नया साल आपके लिए प्यार, खुशी, समृद्धि और खुशियाँ लेकर आए।'

पोस्ट की शुरुआत प्रियंका की एक खूबसूरत तस्वीर से हुई, जिसमें वह लाल रंग के परिधान में बेहद खूबसूरत लग रही थीं और निक ने उन्हें गले लगाया हुआ था, जो सफ़ेद पारंपरिक परिधान में बेहद खूबसूरत लग रहे थे। अगली तस्वीरों में परिवार अपनी बेटी मालती के साथ पोज़ देते हुए दिखाई दे रहा था, जिसने सफ़ेद रंग की फ्रॉक पहनी हुई थी।

अन्य तस्वीरों में मालती अपने छोटे से पर्स में खोई हुई थीं, प्रियंका की माँ मधु चोपड़ा भी इस समारोह में शामिल थीं, और परिवार की लक्ष्मी पूजा से पहले मालती अपनी माँ के साथ दीये रंग रही थीं - इस रस्म के हिस्से के रूप में मालती की अपनी खिलौनों की मूर्तियाँ भी थीं। कैरोसेल का समापन सीढ़ियों पर प्रियंका की एक मनमोहक मिरर सेल्फी के साथ हुआ, जिसमें निक उनके पीछे-पीछे चल रहे थे।

इससे पहले, प्रियंका ने मालती की एक दिवाली पार्टी होस्ट करते और अपना अस्थायी टैटू दिखाते हुए एक झलक भी साझा की थी, जिससे ऑनलाइन प्रशंसकों में त्योहारी खुशियाँ फैल गईं। वर्कफ्रंट की बात करें तो, प्रियंका अगली बार 'द ब्लफ़' में नज़र आएंगी, जहाँ वह 19वीं सदी की एक कैरिबियन समुद्री डाकू की भूमिका निभा रही हैं। वह 'सिटाडेल' के दूसरे सीज़न पर भी काम कर रही हैं और एसएस राजामौली और महेश बाबू के साथ बहुप्रतीक्षित फिल्म 'एसएसएमबी 29' में काम कर रही हैं।

दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच पेरिस मास्टर्स से हटे

पेरिस **(एजेंसी)**। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी और रिकॉर्ड 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हट गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। इससे कुछ दिन पहले ही उन्होंने पैर में चोट के कारण एक प्रदर्शनी टूर्नामेंट में पहले सेट के बाद खेलना बंद कर दिया था।

इस 38 वर्षीय खिलाड़ी ने इस सत्र में बहुत कम टूर्नामेंट में हिस्सा लिया है। उन्होंने चार ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अलावा केवल आठ एटीपी टूर प्रतियोगिताओं में ही भाग लिया है। जोकोविच इस सत्र में ऑस्ट्रेलियाई ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मई के अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल तीन ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों में भाग लिया। जोकोविच ने जिस अंतिम आधिकारिक टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था वह शंघाई मास्टर्स था जिसके सेमीफाइनल में हार के दौरान वह कूल्हे में दर्द से परेशान रहे थे।

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा की एंट्री, दिसंबर 2026 को होगी रिलीज

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर चल रहा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। अफवाहों के बीच, आज दिवाली के मौके पर रिलीज हुई आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत फिल्म 'थम्मा' के साथ, 'शक्ति शालिनी' का आधिकारिक टीजर सिनेमाघरों में जारी कर दिया गया है।

टीजर ने पुष्टि की है कि अभिनेत्री अनीत पड्डा फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिन्होंने पहले कियारा आडवाणी की जगह ली थी। 'थम्मा' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाए गए इस टीजर क्लिप में, स्क्रीन पर लिखा आता है, 'रक्षक। विध्वंसक। सबकी मां। शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा। शक्ति 24 दिसंबर, 2026 को रिलीज होगी।'

यह फिल्म श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की 'स्त्री 2' के बाद मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली किस्त है। मैडॉक की पिछली फिल्में, जिनमें 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या', 'स्त्री 2' और हालिया 'थम्मा' शामिल हैं, ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की है।

अनीत पड्डा की घोषणा ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। प्रशंसक उनकी बहुमुखी प्रतिभा को लेकर उत्साहित हैं और इसे उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ मान रहे हैं।

एक सोशल मीडिया यूजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, 'यह फिल्म एक अभिनेत्री के रूप में अनीत की क्षमता को साबित करेगी, इसके लिए उन्हें वाकई कड़ी मेहनत करनी होगी।' एक अन्य नेटिजन ने टिप्पणी की, 'अगर वह वाकई इसमें कामयाब हो जाती हैं, तो हमें आखिरकार एक जेनरेशन जेड एक्टर मिल जाएगा जो पूरी तरह से मुख्यधारा में आ जाएगा। इसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं!'

हालांकि, कुछ प्रशंसकों ने उम्मीद भी जताई है कि अनीत इस बड़ी जिम्मेदारी को बखूबी निभाएंगी। एक इंटरनेट यूजर ने इसे उनके लिए 'लिटमस टेस्ट' बताया, जबकि एक अन्य ने 'सैयारा' के बाद उन पर बढ़े दबाव का उल्लेख करते हुए कहा, 'अब यह फिल्म उनकी अभिनय क्षमता को साबित करेगी... देखते हैं कि वह इसमें कामयाब हो पाती हैं या नहीं।'

'शक्ति शालिनी' की रिलीज डेट 24 दिसंबर, 2026 निर्धारित की गई है, और अनीत पड्डा के

पवित्रा पुनिया ने 'मिस्ट्री मैन' से की सीक्रेट सगाई, चेहरे पर बरकरार रहस्य

टीवी शो 'ये है मोहब्बतें' और 'गीत- हुई सबसे पराई' से घर-घर में पहचानी जाने वाली अभिनेत्री पवित्रा पुनिया ने बुधवार को अपने प्रशंसकों को चौंका दिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने अमेरिका स्थित बिजनेसमैन मंगेतर, जिनका नाम उन्होंने फिलहाल गुप्त रखा है, से हुई सगाई की घोषणा की।

इंस्टाग्राम पर, उन्होंने समुद्र तट पर हुए इस रोमांटिक प्रपोजल की कई खूबसूरत तस्वीरें साझा कीं। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'प्यार में बंधने से यह आधिकारिक हो गया। क्ष्ईर्नैइर्ल्हर्ग जल्द ही क्ष्ए की मिसेज बनने वाली हैं।'

साझा की गई तस्वीरों में, उनके मंगेतर एक घुटने पर बैठकर उन्हें अंगूठी पहनाकर प्रपोज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, सभी तस्वीरें इस तरह से खींची गई हैं कि उनके मंगेतर का चेहरा पूरी तरह से छिपा रहे, जिससे उनके नए साथी की पहचान को लेकर रहस्य बरकरार है।

हाल ही में एक इंटरव्यू में, पवित्रा ने अपने 'दोबारा प्यार' पाने के बारे में खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि वह इस बार दिवाली अपने नए साथी और उनके परिवार के साथ विदेश में मनाएंगी।

उन्होंने अपने मंगेतर के बारे में कहा था, 'वह अमेरिका का एक बिजनेसमैन है, बिल्कुल भी एक्टर नहीं। एक बेहतरीन इंसान और दयालु। हम पिछले कुछ समय से एक-दूसरे के साथ अच्छे रिश्ते में हैं, और यह सही भी लगता है।'

गौरतलब है कि इससे पहले पवित्रा की सगाई 'बिग बॉस 14' के साथी प्रतियोगी और अभिनेता एजाज खान से हुई थी। करीब तीन साल तक डेट करने के बाद, दोनों 2023 में अलग हो गए थे। पवित्रा ने एजाज से ब्रेकअप की वजह बताते हुए कहा था, 'हमारे विचार मेल नहीं खाते थे। तीन साल बाद भी आपको पता चलता है कि आपकी सोच मेल नहीं खाती। ऐसे रिश्ते में क्यों पड़ना जिसमें जटिलताएं ही हों। इसे खत्म करना ही बेहतर है।'

अपने पूर्व, बेहद सार्वजनिक रिश्ते के विपरीत, पवित्रा अपने इस नए प्यार को निजी रखने की कोशिश कर रही हैं। अमेरिका स्थित बिजनेसमैन मंगेतर की पहचान को लोगों की नजरों से छुपाने का उनका फैसला, इस नए अध्याय को समझदारी और गोपनीयता के साथ अपनाने की उनकी इच्छा को दर्शाता है।

भारत दुनिया का नौवां सबसे बड़ा वन क्षेत्र वाला देश बना, वार्षिक वृद्धि में तीसरे स्थान पर बरकरार

नई दिल्ली। भारत ने वन क्षेत्र के मामले में वैश्विक स्तर पर 10वें स्थान से बढ़कर 9वां स्थान हासिल कर लिया है और वार्षिक वन वृद्धि में तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति बरकरार रखी है। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) द्वारा बाली में जारी ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्स असेसमेंट 2025 रिपोर्ट में दी गई है। पर्यावरण मंत्रालय ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में किए गए बड़े पैमाने पर वृक्षारोपण और सामुदायिक वन सुरक्षा प्रयासों की सफलता बताया है।

केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इसे सतत वन प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण में भारत की एक बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' जैसे अभियानों और राज्यों द्वारा चलाए जा रहे वृक्षारोपण कार्यक्रमों ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई है।

दुनिया में कुल वन क्षेत्र 4.14 अरब हेक्टेयर

बता दें कि विश्व के कुल वन क्षेत्र का आकार 4.14 अरब हेक्टेयर है, जो पृथ्वी की 32इ जमीन को घेरता है। इनमें से 54इ हिस्सा केवल पांच देशों रूस, ब्राजील, कनाडा, अमेरिका और चीन के पास है। भारत अब ऑस्ट्रेलिया, कांगो और इंडोनेशिया के बाद नौवें नंबर पर है। वहीं वन क्षेत्र में वार्षिक वृद्धि की बात करें तो 2015 से 2025 के बीच चीन ने प्रति वर्ष 16.9 लाख हेक्टेयर, रूस ने 9.42 लाख हेक्टेयर और भारत ने 1.91 लाख हेक्टेयर वन क्षेत्र बढ़ाया है।

इन देशों में हुई जबरदस्त वृद्धि

इसके साथ ही अन्य देशों में तुर्किये, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और वियतनाम भी शामिल हैं, जिनमें उल्लेखनीय वृक्ष वृद्धि दर्ज हुई है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि 1990 से 2025 के बीच एशिया ही एकमात्र क्षेत्र है जहां वन क्षेत्र में निरंतर वृद्धि हुई है, जिसका नेतृत्व चीन और भारत कर रहे हैं।

गौरतलब है कि दुनिया में वार्षिक वन क्षय दर भी कम होकर 10.7 मिलियन हेक्टेयर (1990) से घटकर अब 4.12 मिलियन हेक्टेयर (2015-2025) रह गई है। रिपोर्ट के अनुसार, अब दुनिया के 20इ वन क्षेत्र कानूनी रूप से संरक्षित हैं, जबकि 55इ वन क्षेत्र लंबी अवधि की योजनाओं के तहत प्रबंधित किए जा रहे हैं।

'मैं शेर का बेटा हूँ': चिराग पासवान का हौसला तोड़ने वालों को सीधा संदेश, पिता की विरासत का किया ज़िक्र

पटना। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) प्रमुख चिराग पासवान ने कहा कि एनडीए गठबंधन जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर बिहार के हर युवा के लिए रोज़गार सुनिश्चित करने के विजन के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उनकी भावना को तोड़ने के प्रयासों को भी याद किया। केंद्रीय मंत्री ने राजद और कांग्रेस के महागठबंधन पर 6 नवंबर और 11 नवंबर को होने वाले चुनावों से पहले बिहारियों को सांप्रदायिक और जातीय आधार पर बांटने का भी आरोप लगाया।

चिराग पासवान ने यहाँ एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उनका श्र समीकरण क्या है? श बिहारियों को सांप्रदायिक आधार पर बाँट रहा है। भ बिहारियों को जातीय आधार पर बाँट रहा है। इसी तरह, हम भी श्र समीकरण की बात करते हैं, लेकिन हमारे श में न केवल देश, बल्कि दुनिया का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएँ शामिल हैं। इसी तरह, भ न केवल देश, बल्कि दुनिया के युवाओं का भी प्रतिनिधित्व करता है। उन्होंने रामविलास पासवान का ज़िक्र करते हुए खुद को शेर का बेटा बताया।

पासवान ने आगे कहा कि हम इसी श्र समीकरण के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं। मैं जाति, पंथ और धर्म से ऊपर उठकर यह सुनिश्चित करना चाहता हूँ कि हर बिहारी युवा को रोज़गार मिले। हर बिहारी महिला को सम्मान मिले। बुज़ुर्गों को उनके अधिकार मिलें। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करते हैं कि किसानों और मज़दूरों को उनका हक़ मिले। हमारा गठबंधन इसी दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ रहा है। चिराग पासवान को हराने, तोड़ने की अनगिनत कोशिशें की गईं। लेकिन मैं खगड़िया का बेटा हूँ। मैं शेर का बेटा हूँ। मैं रामविलास पासवान का बेटा हूँ।

इससे पहले 19 अक्टूबर को, चिराग पासवान ने बिहार में महिलाओं और युवाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए 'MY' समीकरण को नए सिरे से परिभाषित किया। अपने 'बिहार फ़र्स्ट, बिहारी फ़र्स्ट' विज़न के तहत, पासवान ने राज्य के विकास को प्राथमिकता देने के महत्व पर ज़ोर दिया। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले, एएनआई के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, चिराग ने बिहार के विकास में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में उनके सशक्तिकरण और भागीदारी पर ज़ोर दिया।

पाक संग संघर्ष विराम पर अफगानिस्तान की दो टूक, कहा- सम्मान और बातचीत से सुलझेंगे मसले

काबुल। अफ़ग़ानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय ने पाकिस्तान के साथ हाल ही में हुए युद्धविराम समझौते के संबंध में एक स्पष्टीकरण जारी किया है, जिसमें इस्लामिक अमीरात के रक्षा मंत्री द्वारा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की गई चर्चा सहित सभी मामलों के बातचीत के ज़रिए समाधान सहित प्रमुख बिंदुओं पर प्रकाश डाला गया है। मंत्रालय नें पर पोस्ट करते हुए ज़ोर दिया कि इस्लामिक अमीरात के रक्षा मंत्री ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तान के साथ हुए समझौते के संबंध में एक व्यापक स्पष्टीकरण दिया है; इसके अलावा कोई और जानकारी उपलब्ध नहीं है।

स्पष्टीकरण के अनुसार, समझौता पूरी तरह से युद्धविराम, आपसी सम्मान, एक-दूसरे के सुरक्षा बलों, नागरिकों और सुविधाओं पर हमलों से बचने, बातचीत के ज़रिए सभी मामलों के समाधान और एक-दूसरे के खिलाफ़ हमलों को बढ़ावा न देने पर ज़ोर देता है।' मंत्रालय ने निष्कर्ष निकाला, 'इन शर्तों से परे कोई भी बयान अमान्य है। यह स्पष्टीकरण रविवार को अफ़ग़ानिस्तान के प्रवक्ता द्वारा की गई उस घोषणा के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि क़तर में पाकिस्तान और अफ़ग़ानिस्तान के बीच एक व्यापक युद्धविराम पर आपसी सहमति बन गई है, जिसे एक द्विपक्षीय समझौते के ज़रिए औपचारिक रूप दिया गया है।

एक्स पर कई पोस्ट के ज़रिए विवरण साझा करते हुए, प्रवक्ता ने क़तर और तुर्किये को इस समझौते तक पहुँचने वाली बातचीत को सुगम बनाने में उनकी 'महत्वपूर्ण भूमिका' के लिए धन्यवाद दिया। समझौते की शर्तों के तहत, यह तय किया गया था कि कोई भी देश एक-दूसरे के खिलाफ़ शत्रुतापूर्ण कार्रवाई नहीं करेगा, न ही पाकिस्तान सरकार के खिलाफ़ हमले करने वाले समूहों का समर्थन करेगा। दोनों पक्षों ने सुरक्षा बलों, नागरिकों या महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे को निशाना बनाने से परहेज़ करने की भी प्रतिबद्धता जताई।

प्रवक्ता ने बताया कि प्रभावी कार्यान्वयन और द्विपक्षीय दावों की समीक्षा के लिए, भविष्य में मध्यस्थ देशों की मध्यस्थता में एक तंत्र स्थापित किया जाएगा। यह युद्धविराम समझौता कतर द्वारा शनिवार (स्थानीय समय) को दिए गए एक बयान के बाद आया है जिसमें घोषणा की गई थी कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा पर भीषण संघर्ष के बाद 'तत्काल युद्धविराम' पर सहमत हो गए हैं, और इसकी 'स्थायित्व' सुनिश्चित करने के लिए आगे की वार्ता की योजना है। कतर के विदेश मंत्रालय ने इस बात पर ज़ोर दिया कि दोनों पक्ष आने वाले दिनों में युद्धविराम की स्थायित्व और कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और दोनों पड़ोसी देशों के बीच दीर्घकालिक शांति और स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए आगे की बैठकें भी करेंगे।

राजनाथ सिंह का पाक पर बड़ा बयान

ऑपरेशन सिंदूर का दर्द अब तक नहीं भूला पाकिस्तान

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान उस दर्द को नहीं भूला है और कहा कि युद्धों ने एक मिश्रित और विषम रूप धारण कर लिया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने लेफ्टिनेंट जनरल राज शुक्ला (सेवानिवृत्त) की पुस्तक 'सिविल मिलिट्री फ्यूजन एज अ मेट्रिक ऑफ नेशनल पावर एंड कॉम्प्रिहेंसिव सिक्योरिटी' के विमोचन समारोह में भाग लेते हुए यह टिप्पणी की।

राजनाथ सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से भारतीय सेना में किए गए 'साहसिक और निर्णायक' सुधारों पर भी प्रकाश डाला, जिसमें चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद का सृजन भी शामिल है। उन्होंने कहा कि अब युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि उन्होंने एक संकर और विषम रूप ले लिया है...पारंपरिक रक्षा दृष्टिकोण अब लागू नहीं होता...हमारी सरकार ने भविष्य के लिए तैयार और मजबूत सशस्त्र बलों के निर्माण के लिए कई साहसिक और निर्णायक सुधार भी किए हैं। ये सुधार भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ-साथ हमारी सामरिक स्वायत्तता भी सुनिश्चित करते हैं। इन ऐतिहासिक कदमों में से एक था चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के पद का सृजन।

वरिष्ठ भाजपा नेता ने घरेलू रक्षा उत्पादन में वृद्धि और भारत के तेज़ी से रक्षा क्षेत्र में विनिर्माण केंद्र बनने का भी ज़िक्र किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमने तीनों सेनाओं के बीच असाधारण एकजुटता और एकीकरण देखा... ऑपरेशन सिंदूर ने पाकिस्तान को चकनाचूर कर दिया है, और आज भी वह उस दर्द को नहीं भूला है। उन्होंने कहा कि इस पुस्तक को पढ़ने से मुझे जो मुख्य सीख मिली है, वह यह है कि नागरिक-सैन्य एकीकरण को केवल एकीकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक प्रवर्तक के रूप में देखा जाना चाहिए... यह प्रक्रिया अब भारत में तेज़ी से आगे बढ़ रही है... हमने रक्षा विनिर्माण और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को बढ़ावा दिया है।

उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में स्टार्टअप्स को बढ़ावा देते हुए, हमने शिक्षा जगत के साथ उद्योग जगत की साझेदारी भी बढ़ाई है। आज, हम रक्षा क्षेत्र के लिए एक विनिर्माण केंद्र के रूप में तेज़ी से उभर रहे हैं... घरेलू रक्षा उत्पादन अब कुल 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का है। इसमें से निजी क्षेत्र का योगदान लगभग 33,000 करोड़ रुपये है। सरकार ने इस पुस्तक में दिए गए कई सुझावों पर अमल शुरू कर दिया है।

पीएम मोदी ने ट्रंप को फोन कॉल के लिए दिया धन्यवाद, कहा- आतंकवाद के खिलाफ हम एकजुट

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीएम मोदी को फोन कर दिवाली की शुभकामनाएं दी हैं। दिवाली पर दोनों देशों के नेताओं के बीच हुई बात की जानकारी पीएम मोदी ने बुधवार को एक्स पर जानकारी साझा की। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में दीवाली मनाई। इस दौरान उन्होंने दीये जलाए। दीवाली के मौके पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं भारत के लोगों को दिवाली की हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं।

ट्रंप से पीएम मोदी ने फोन पर की बात

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा, राष्ट्रपति ट्रंप आपके फोन कॉल और दिवाली की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। रोशनी के इस त्योहार पर, हमारे दो महान लोकतंत्र दुनिया को उम्मीद की रोशनी देती रहें और हर तरह के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहें। 16 सितंबर के बाद से पीएम मोदी और ट्रंप के बीच यह तीसरी सार्वजनिक रूप से ज्ञात फोन कॉल थी। वाशिंगटन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव जारी है।

मेरी प्रधानमंत्री मोदी से बेहतरीन बातचीत हुई- ट्रंप

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'मैं भारत के लोगों को हमारी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। आज मेरी

प्रधानमंत्री मोदी से बेहतरीन बातचीत हुई। हमने व्यापार पर बात कीष्ठ वह इस विषय में बहुत रुचि रखते हैं। कुछ समय पहले हमने पाकिस्तान के साथ युद्ध न होने की भी चर्चा की थी। व्यापार की वजह से मैं इस विषय को उठाने में सक्षम था, और अब भारत-पाकिस्तान के बीच कोई युद्ध नहीं है। यह बहुत अच्छी बात है। प्रधानमंत्री मोदी एक शानदार व्यक्ति हैं और वर्षों से मेरे अच्छे मित्र बन चुके हैं।

रूस से तेल खरीद पर भी दिया बयान

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, 'मैं भारत के लोगों से प्यार करता हूं। हम अपने देशों के बीच कुछ बेहतरीन समझौतों पर काम कर रहे हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमारे बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। वह रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे। वह भी मेरी तरह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं। वे बहुत ज्यादा तेल खरीदने नहीं जा रहे हैं। इसलिए उन्होंने इसमें काफी कटौती कर दी है, और वे इसमें लगातार कटौती करते जा रहे हैं।'

हम पूरी दुनिया में शांति स्थापित कर रहे-ट्रंप

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा, 'हम पूरी दुनिया में शांति स्थापित कर रहे हैं... हम सभी को साथ लेकर चल रहे हैं। मुझे अभी मध्य पूर्व से फ़ोन आया है। हम वहाँ बहुत अच्छा कर रहे हैं। कई देशों ने मध्य पूर्व में शांति के लिए समझौता किया है, और किसी ने नहीं सोचा था कि वे कभी ऐसा होते देखेंगे। हमास की स्थिति, वे बहुत हिंसक लोग हैं। हम इसे दो मिनट में सुलझा सकते हैं। हम उन्हें एक मौका दे रहे हैं। उन्होंने सहमति जताई थी कि वे बहुत अच्छे और सीधे रहेंगे। वे लोगों की हत्या नहीं करेंगे। अगर वे समझौते का सम्मान नहीं करते हैं, तो उनका बहुत जल्दी निपटारा कर दिया जाएगा। मध्य पूर्व में पूर्ण शांति है; हम सभी के साथ मित्रता के स्तर पर हैं। हर देश जो एक-दूसरे से नफरत करता था, अब एक-दूसरे से प्यार करता है। किसी ने पहले ऐसा कुछ नहीं देखा था।

पुतिन का सबसे बड़ा परमाणु शक्ति प्रदर्शन, क्या महायुद्ध की आहट है?

मास्को। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बुधवार को रूस की परमाणु शक्तियों के व्यापक परीक्षण का निरीक्षण किया, जिसमें ज़मीन, समुद्र और हवा में उनकी तैयारियों और कमान संरचनाओं का मूल्यांकन किया गया। इस अभ्यास में एक कॉस्मोड्रोम से एक ज़मीनी 'यार्स' अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल, बैरेंट्स सागर में एक परमाणु पनडुब्बी से एक 'सिनेवा' बैलिस्टिक मिसाइल और रणनीतिक बमवर्षकों से परमाणु-सक्षम क्रूज़ मिसाइलों का प्रक्षेपण शामिल था।

एक सामरिक पनडुब्बी क्रूज़र द्वारा बैरेंट्स सागर से एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी गई। रूस अपने परमाणु बलों का नियमित अभ्यास करता है, ताकि उन्हें अपनी क्षमता का परीक्षण करा सके तथा अपने विरोधियों को यह याद दिला सके कि पूर्व-पश्चिम के बीच बढ़ते तनाव के दौर में उसके पास विश्व का सबसे बड़ा परमाणु शस्त्रागार है। क्रेमलिन ने एक बयान में कहा, 'इस अभ्यास में सैन्य कमान की तैयारी के स्तर और अधीनस्थ बलों के नियंत्रण को व्यवस्थित करने में परिचालन कर्मियों के व्यावहारिक कौशल का परीक्षण किया गया।'

वहीं, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के खार्किव शहर में एक रूसी ड्रोन ने रात भर चले एक बड़े हमले के बाद एक किंडरगार्टन पर हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए। ज़ेलेंस्की ने पर एक पोस्ट में कहा कि सभी बच्चों को सुरक्षित निकाल लिया गया है और अब वे आश्रय गृहों में हैं। दुर्भाग्य से, एक व्यक्ति की मौत हो गई है, शोक संतप्त परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएँ। सात लोग घायल हुए हैं और उनका इलाज चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि हमले के बाद कई बच्चों में गंभीर तनाव के लक्षण दिखाई दिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि किंडरगार्टन पर ड्रोन हमले का कोई औचित्य नहीं है, न ही कभी हो सकता है। स्पष्ट रूप से, रूस और अधिक निर्लज्ज होता जा रहा है। ज़ेलेंस्की ने इस हमले को शांतिपूर्ण समाधान पर ज़ोर देने वाले सभी लोगों के मुँह पर रूस का थूक बताया और कहा कि 'ठगों और आतंकवादियों को केवल बलपूर्वक ही उनकी जगह पर रखा जा सकता है। किंडरगार्टन पर यह हमला यूक्रेन के कई क्षेत्रों, जिनमें ऊर्जा संयंत्र और आवासीय क्षेत्र शामिल हैं, को निशाना बनाकर रात भर किए गए रूसी हमलों के बीच हुआ।

नेपाल की प्रधानमंत्री कार्की ने आम चुनावों पर चर्चा के लिए नेताओं से मुलाकात की

काठमांडू। नेपाल की प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने पिछले महीने कार्यवाहक सरकार के गठन के बाद पहली बार मंगलवार को प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात की और आम चुनावों की तैयारियों एवं सुरक्षा मुद्दों पर चर्चा की।

सूत्रों ने बताया कि बालुवाटार स्थित प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई इस बैठक में भंग हो चुकी प्रतिनिधि सभा के कई राजनीतिक दलों के प्रमुख नेताओं ने भाग लिया।

कार्की (73) उस समय पिछले महीने नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं जब भ्रष्टाचार और सोशल मीडिया पर प्रतिबंध को लेकर सरकार के खिलाफ युवाओं के नेतृत्व में 'जेन जेड' आंदोलन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री के.पी. शर्मा ओली को अपदस्थ कर दिया गया था। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री कार्की ने सभी राजनीतिक दलों से स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव कराने में सहयोग मांगा। नेताओं ने सरकार से चुनाव के लिए अनुकूल माहौल बनाने का आग्रह किया।

कार्की ने आश्वासन दिया कि अंतरिम सरकार कानून के अनुसार काम कर रही है। उन्होंने कहा, "हम 'जेन जेड' आंदोलन की भावना के विपरीत काम नहीं करेंगे।" उन्होंने कहा, "हम उचित प्रक्रियाओं और कानून के दायरे में काम करेंगे। हम दिए गए जनादेश के अनुसार काम कर रहे हैं।

ट्रंप के रुख पर अडिग अमेरिका: वेंस बोले- गाजा में नहीं होंगे अमेरिकी सैनिक, हमास को कड़ी चेतावनी

वाशिंगटन।संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने मंगलवार को फिर से पुष्टि की कि वाशिंगटन गाज़ा में ज़मीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक तैनात नहीं करेगा, और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगातार अपनाए गए रुख को दोहराया। वेंस ने दक्षिणी इज़राइल के किरयात गत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि गाज़ा में ज़मीनी स्तर पर अमेरिकी सैनिक नहीं होंगे। संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति ने यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। हमारे सभी सैन्य नेतृत्व ने भी यह बिल्कुल स्पष्ट कर दिया है। फिलहाल अमेरिकी नेतृत्व वाली टीम गाज़ा युद्धविराम की निगरानी कर रही है।

वेंस ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका शांति प्रक्रिया में 'उपयोगी समन्वय' प्रदान करता रहेगा। उपराष्ट्रपति, ट्रम्प प्रशासन के भीतर इस चिंता के बीच युद्धविराम को बनाए रखने के चल रहे प्रयासों को मज़बूत करने के लिए इज़राइल पहुँचे कि इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू इस समझौते पर पुनर्विचार कर सकते हैं, जिससे नए सिरे से शत्रुता का खतरा पैदा हो सकता है। अपने आगमन पर, वेंस ने किरयात गाट कमांड सेंटर का दौरा किया, युद्धविराम की निगरानी की और वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के साथ निजी चर्चा की। उनके साथ द्वितीय महिला उषा वेंस भी थीं और इज़राइल में अमेरिकी राजदूत माइक हुकाबी ने उनका स्वागत किया।

वेंस की यात्रा का एक प्रमुख हिस्सा बुधवार को नेतन्याहू के साथ उनकी बैठक है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रपति ट्रंप का यह संदेश देना है कि वाशिंगटन गाजा शांति समझौते को टूटने से बचाने के लिए दृढ़ है। इस बीच, ट्रंप ने मध्य पूर्वी सहयोगियों से आग्रह किया कि अगर हमास युद्धविराम का उल्लंघन करता है तो वे हस्तक्षेप करें, और चेतावनी दी कि 'अगर ऐसा नहीं होता है, तो उनका अंत क्रूर होगा।' ट्रुथ सोशल पर लिखते हुए, उन्होंने कहा, 'अभी भी उम्मीद है कि हमास वही करेगा जो सही है। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं, तो हमास का अंत तेज़, उग्र और क्रूर होगा!'

अमेरिकी राष्ट्रपति ने क्षेत्रीय सहयोग के लिए इंडोनेशिया की भी सराहना की और कहा, 'मैं उन सभी देशों को धन्यवाद देना चाहता हूँ जिन्होंने मदद के लिए फोन किया। साथ ही, मैं महान और शक्तिशाली देश इंडोनेशिया और उसके अद्भुत नेता को भी मध्य पूर्व और अमेरिका को दी गई मदद के लिए धन्यवाद देना चाहता हूँ। इस मामले पर ध्यान देने के लिए आप सभी का धन्यवाद!'

Facebook: https://www.facebook.com/profile.phpid=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharatt=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. MAHHIN/ 2016/65841 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा AIS Printing solution प्लॉट नं0-A- 544 TTC इंडस्ट्रियल एरिया एमआईडीसी माहपे-नवी मुंबई, थाने 400709 से मुद्रित एवं शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012प्रकाशित एवं सम्पादित । कार्यालय : शाप.नं. 36, द्वितीय तल, प्लाट -490.1. जाम मील बिल्डिंग, डॉ बाबा साहेब अम्बेकर रोड, लाल बाग परेल, मुम्बई-400012 । फोन : 022-24706563 । कार्यकारी सम्पादक- योगेन्द्र चौधरी
E-Mail : editormantrabharat@gmail.com mantrabharatmumbai@gmail.com । सम्पादक : विनोद आर शर्मा, मोबाइल : 7007837917 । समूह सम्पादक : डॉ दयानन्द तिवारी। वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे के लिए मंत्र प्रधान कार्यालय क्षेत्र प्रयागराज/ इलाहाबाद न्यायालय ही होगा। प्रधान कार्यालयः 80ए मेंहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 (नोटः कानूनी पत्र व्यवहार का पता प्रधान कार्यालय ही होगा।)